राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार, ११अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -७७ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

ममता ने बीजेपी नेताओं पर लगाए नंदीग्राम के मुसलमानों को पाकिस्तानी कहने के आरोप, बोली

बाघ से ज्यादा खतरनाक अमित शाह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव के चरण बीतते जा रहे हैं, वैसे-वैसे नेताओं के बयानों में तल्खी बढ़ती जा रही है। चौथे चरण के मतदान से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नंदीग्राम के मुसलमानों को पाकिस्तानी कहा है। नेताओं को 'गले में रस्सी बांधकर मर जाना चाहिए।'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने नोटिस पर चुनाव आयोग को चुनौती देते हुए कहा, 'यह मेरे लिए शायद ही मायने रखता है। इस तरह के 10 कारण बताओ नोटिस क्यों नहीं जारी किए जाएं, मेरा जवाब वही रहेगा। मैं सभी को एकजुट होकर मतदान करने के लिए कहती हूं। कोई विभाजन नहीं होगा। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई, उन्हें एक भी वोट न दें।'

क्या नरेंद्र मोदी के खिलाफ दर्ज हुई शिकायतें-ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह राज्य में हिंसा भड़काने का प्रयास कर रहे हैं और पुलिस को अनैतिक कार्य करने के लिए शह दे रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सलाह दी कि शाह पर अंकुश लगाएं क्योंकि वह राज्य में दंगे भड़का सकते हैं। पूर्व बर्दमान जिले के मेमारी में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, 'मैंने ऐसा गुंडा, दंगेबाज गृह मंत्री अपनी पूरी जिंदगी में नहीं देखा है। अमित शाह बाघ से भी ज्यादा खतरनाक हैं।

ममता बनर्जी ने आगे पूछा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कितनी शिकायतें दर्ज की गई हैं? वह हर दिन हिंदू-मुस्लिम करते हैं, उनके खिलाफ कितनी शिकायतें दर्ज की गई हैं? उन लोगों के खिलाफ कितनी शिकायतें दर्ज की गई हैं जिन्होंने नंदीग्राम के मुसलमानों को पाकिस्तानी कहा था? उन्हें अपने गले में रस्सी बांधकर मर जाना चाहिए। ममता बनर्जी ने शुक्रवार को डोमजूर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ÷क्या वे शर्मिंदा नहीं हैं? वे मेरे खिलाफ कुछ नहीं कर सकते। मैं हिंदुओं, मुस्लिमों, सिखों, ईसाइयों और आदिवासियों के साथ हूं।

चुनाव आयोग ने भेजा है ममता को नोटिस-आपको बता दें कि कथित तौर पर मुस्लिम समुदाय को ञ्रस्ष्ट के लिए वोट देने की अपील करने के बाद चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी को चुनाव आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया था। तीन अप्रैल को, ममता बनर्जी ने मुस्लिम मतदाताओं से अपील की थी कि वे चल रहे विधानसभा चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच अपने वोट को विभाजित न होने दें। चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री को नोटिस प्राप्त करने के 48 घंटे के भीतर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए कहा है।

बाघ से भी ज्यादा खतरनाक हैं अमित शाह-ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह राज्य में हिंसा भड़काने का प्रयास कर रहे हैं और पुलिस को अनैतिक कार्य करने के लिए शह दे रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सलाह दी कि शाह पर अंकुश लगाएं क्योंकि वह राज्य में दंगे भड़का सकते हैं। पूर्व बर्दमान जिले के मेमारी में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, 'मैंने ऐसा गुंडा, दंगेबाज गृह मंत्री अपनी पूरी जिंदगी में नहीं देखा है। अमित शाह बाघ से भी ज्यादा खतरनाक हैं। लोग उनसे बात करने में डरते हैं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करती हूं कि पहले अमित शाह पर अंकुश लगाएं। वह यहां दंगे भड़का रहे हैं।

नक्सलियों की मांद से कैसे बची कोबरा कमांडो की जान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सली मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों के 22 जवानों की मौत के बीच एक कमांडो का जिंदा लौटना किसी चमत्कार से कम नहीं। पर ऐसा संभव हो सका उन्हीं नक्सलियों के कारण जो जवानों की जघन्य हत्या के जिम्मेदार हैं। नक्सलियों की मांद से कोबरा कमांडो राकेश्वर सिंह मनहास को सकुशल लाने वाले पत्रकारों में शामिल के. शंकर और गणेश मिश्रा ने 'हिन्दुस्तान' से बात की और कमांडो के कब्जे से लेकर रिहाई तक की कहानी बताई।

नक्सलियों के कब्जे में कैसे पहुंचे?

गणेश मिश्रा और शंकर कहते हैं यह सच है कि कोबरा कमांडो नक्सलियों के पास थे, लेकिन यह कहना कि उनका अपहरण हुआ था, सच नहीं है। दरअसल कमांडो राकेश्वर हमले के बाद अपने दल से बिछड़ गए और जंगल में खो गए। छर्रे लगने से वह हल्के जख्मी भी थे और डिहाइड्रेशन के कारण घने जंगलों में बेहोश हो गए थे। बेहोशी की हालत में 04 अप्रैल को वह नक्सलियों को मिले। नक्सली उन्हें अपने कैंप में लेकर पहुंचे और उनका इलाज किया, जिससे उनकी जान बच सकी। गणेश कहते हैं 04 अप्रैल को नक्सलियों ने उनके मोबाइल पर मैसेज भेजा कि कमांडो उनके पास सुरक्षित है। एक डेलिगेशन लेकर आएं और उन्हें ले जाएं। डेलिगेशन में कुछ पत्रकार और सोशल वर्कर थे। सबको एकत्र करने में समय लगा। पत्रकार के. शंकर कहते हैं हर अपरहण के बाद शर्तें लागू की जाती हैं। पर इस मामले में ऐसा कुछ नहीं था। रिहाई बिना किसी शर्त के हुई।

दशहत के सात घंटे

गणेश और शंकर बताते हैं कि नक्सलियों के गढ़ में जाने के लिए हम सुबह 5:30 बजे अपनी मोटरसाइकिल से निकल गए थे। 09 बजे हम जंगल के बीच थे। उसके बाद शाम 04 बजे तक हर पल किसी अनहोनी की आशंका ने हमें अनजाने भय में घेर रखा था। रिहाई का वक्त 10 बजे तय हुआ था,

कोरोना की दूसरी लहर युवाओं को निशाना बना रही है?

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर क्या युवाओं को निशाना बना रही है? कोविड-19 पर बने मंत्रिसमूह की बैठक में शुक्रवार को जो आंकड़े रखे गए हैं, उससे तो यही प्रतीत होता है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में बताया गया कि कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित 11 राज्यों में युवा आबादी चपेट में आई है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) के निदेशक सुजीत सिंह ने मंत्रिसमूह को अवगत कराया कि 11 सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में संक्रमण के अधिकांश मामले 15 से 44 साल के आयुवर्ग में सामने आ रहे हैं। वहीं, अधिकतर मौतें 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में हुई हैं। मौतों का रुझान तो पहले की तरह है, लेकिन संक्रमण के मामले युवाओं में तेजी से बढ़ते हुए दिख रहे हैं। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 149 जिलों में सात दिनों से, आठ जिलों में 14 दिनों से और तीन जिलों में 21 दिनों से कोरोना का कोई नया मामला नहीं दर्ज किया गया है। वहीं, 63 जिलों में पिछले 28 दिनों में कोई भी नया केस सामने नहीं आया है।

अस्पतालों के बुनियादी ढांचे में वृद्धि

हर्षवर्धन ने कहा कि भारत ने कोविड-19 प्रबंधन के लिए अपने अस्पतालों के बुनियादी ढांचे में काफी वृद्धि की है। 2084 समर्पित कोविड अस्पतालों में 468974 बेड हैं। इनमें से 89 अस्पताल केंद्र और 1995 विभिन्न राज्यों की ओर से संचालित हैं। स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक 4.68 लाख कोविड बेड में से 263573 पृथकवास, 50408 आईसीयू और 154993 ऑक्सीजन-समर्थित बिस्तर हैं। 4043 समर्पित कोविड स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 85 केंद्र, जबकि 3958 राज्यों की ओर से संचालित हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों में 357096 बेड हैं, जिनमें 231462 पृथकवास, 25459 आईसीयू और 100175 ऑक्सीजन-समर्थित बिस्तर शामिल हैं।

जन धन खाते खोलने में निजी बैंक फिसड्डी, सरकारी बैंकों ने तीन करोड़ तो प्राइवेट ने सिर्फ 55 हजार खाते खोले

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेवाई) की शुरूआत की थी। इस योजना के तहत देश के गरीबों का खाता जीरो बैलेंस पर बैंक, पोस्ट ऑफिस में खोला जाता है। देश में 31 मार्च 2021 तक 42 करोड़ से अधिक जन धन खाते खुल चुके हैं, लेकिन इसमें निजी बैंक बहुत पीछे हैं। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष यानी 2020-21 में सरकारी बैंकों ने तीन करोड़ के करीब जन धन खाते खोले। वहीं निजी बैंकों ने सिर्फ 55 हजार के करीब खाते खोले। इतना ही नहीं पिछले वित्त वर्ष में निजी बैंकों ने करीब 50 हजार खाते कम खोले। सरकारी योजनाओं के लिए बेहद अहम इस खाते में निजी बैंकों की दिलचस्पी बेहद कम है।

जवाब के बदले बहाने बना रहे निजी बैंक-आईसीआईसीआई बैंक को छोड़कर किसी भी बैंक ने या तो जवाब नहीं दिया या फिर बहाना बनाते नजर आए। आईसीआईसीआई ने पूरी स्पष्टता के साथ जन

वहीं निजी बैंकों ने सिर्फ 55 हजार के करीब खाते खोले। इतना ही नहीं पिछले वित्त वर्ष में निजी बैंकों ने करीब 50 हजार खाते कम खोले। सरकारी योजनाओं के लिए बेहद अहम इस खाते में निजी बैंकों की दिलचस्पी बेहद कम है।

जन खाते का ब्योरा दिया। बैंक ने कहा कि उसने पिछले वित्तीय वर्ष में दो लाख 78 हजार 522 जन धन खाते खोले हैं। बैंक के प्रवक्ता ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक जन धन खाता खोलने में निजी बैंकों में सबसे आगे है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ज्यादातर जन धन खाते अस्थाई तौर पर बंद हो गए हैं क्योंकि उनमें काफी समय से लेनदेन नहीं हुई है।

पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी, आज राजस्थान के लगभग 7000 पेट्रोल पंप बंद

निजी बैंकों क्यों कतराते हैं

बैंकरों और विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार के नियमों के मुताबिक एक व्यक्ति का एक ही जन धन खाता हो सकता है। ऐसे में कोई व्यक्ति दूसरा खाता खुलवाने जाता है तो दस्तावेज से तुरंत यह जानकारी मिल जाती है कि पहले से किसी दूसरे बैंक में जन धन खाता खुला हुआ है। इस स्थिति में बैंक जन धन खाता नहीं खोलते। हालांकि, विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि अपने लिए खर्चीला होने की वजह से निजी बैंक जन धन खाता खोलने से दूर भागते हैं। इसे जीरो बैलेंस पर खोलना पड़ता है और किसी भी सेवा के लिए शुल्क वसूलने की अनुमति नहीं है।

मंदिर बोर्ड का दावा- तिरुमाला ही है भगवान हनुमान का जन्मस्थान, जल्द पेश करेंगे सबूत

नई दिल्ली। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने कहा कि वह यह साबित करने के लिए ऐतिहासिक और प्रासंगिक सबूत प्रदान करेगा कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में भगवान वेंकटेश्वर का निवास स्थान तिरुमला भगवान हनुमान का जन्मस्थान है। मंदिर का प्रशासन, टीटीडी, उगादि उत्सव (तेलुगु नव वर्ष) के दिन 13 अप्रैल को एक पुस्तिका के रूप में एक दस्तावेज जारी करने के लिए तैयार है, जिससे यह साबित किया जा सके कि अंजनाद्री, तिरुमाला की सात पहाड़ियों में से एक, अंजनाद्री को भगवान हनुमान का जन्मस्थान कहा जाता है। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी केएस जवाहर रेड्डी ने कहा, ÷हम यह साबित करने के लिए एक पुस्तिका के रूप में समिति की रिपोर्ट लाएंगे कि भगवान हनुमान वास्तव में अंजनाद्री में पैदा हुए थे, जो तिरुमाला की सात पहाड़ियों में से एक है, जो पूर्वी घाट के शेषचलम पहाड़ी श्रृंखला का हिस्सा हैं

पैनल ने गुरुवार को रेड्डी के साथ बैठक में टीटीडी को अपनी रिपोर्ट सौंपी। समिति के एक सदस्य ने नाम न छापने की शर्त बताया, खगोल विज्ञान पर आधारित भगवान राम के मार्ग को ट्रैक करने के लिए अतीत में विभिन्न अन्य शोधकर्ताओं द्वारा कई अध्ययन किए गए हैं। रामेश्वरम के रास्ते श्रीलंका में प्रवेश करने से पहले अयोध्या से दक्षिण की यात्रा करने वाले राम, शायद तिरुमला में भगवान हनुमान के पार आए होंगे समिति के सदस्य ने कहा, शास्त्रों के अनुसार, अंजना देवी ने भगवान हनुमान को जन्म देने से पहले तमसाला पहाड़ियों के एक झरने, और अखाड़ा गंगा में पवित्र स्नान किया था।

कोरोना की जगह एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाने वाला फार्मासिस्ट सस्पेंड, संविदाकर्मी की सेवा समाप्त

शामली कांधला। शामली के कांधला सीएचसी पर कोरोना वैक्सीनेशन कराने गईं तीन महिलाओं को एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगाने के मामले में शुक्रवार को डीएम ने कार्रवाई की। डीएम के निर्देश पर सीएचसी में तैनात फार्मेसिस्ट को निलंबित कर दिया। साथ ही सीएचसी प्रभारी से तीन दिन के अन्दर स्पष्टीकरण मांगा हैं। डीएम जसजीत कौर ने कांधला सीएचसी पर वृद्ध महिलाओं को कोरोना वैक्सीन के बजाय एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाए जाने की खबर का संज्ञान लेते हुए एसडीएम को कैराना एवं एसीएमओ शामली डॉ. अनिल कुमार को जांच सौंपी थी। दोनों अधिकारियों की जांच में पाया गया कि कांधला सीएचसी पर गुरुवार को तीन महिलाएं कोविड-19 की वैक्सीन लगवाने पहुंची थीं, जो भूलवश जनरल ओपीडी में चली गईं। वहां पर जो

फार्मेसिस्ट था वह किसी कार्य से बाहर गया था और अपने स्थान पर एक प्राइवेट व्यक्ति जो जन औषधि केंद्र का फार्मेसिस्ट था उसको बैठा गया था। उस प्राइवेट व्यक्ति द्वारा बिना कोई कागज देखे महिलाओं को एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगा दिया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर डीएम ने संबंधित फार्मेसिस्ट को तत्काल सस्पेंड करने और जन औषधि केंद्र के प्राइवेट व्यक्ति की सेवा समाप्ति के निर्देश दिए। साथ ही लापरवाही बरतने पर चिकित्सा अधीक्षक सीएचसी कांधला से तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण देने को कहा है। डीएम जसजीत कौर के अनुसार कांधला सीएचसी प्रकरण में सीएचसी फार्मेसिस्ट को तत्काल निलंबित करते हुए सीएचसी अधीक्षक को चेतावनी देने तथा प्राइवेट फार्मेसिस्ट की भी सेवा समाप्ति के निर्देश दिए गए हैं।

यह था मामला

गुरुवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कोरोना का टीका लगवाने के लिए गई मोहल्ला सरावज्ञान निवासी सरोज(70) पत्नी स्वर्गीय जगदीश, नगर के रेलवे मंडी निवासी अनारकली(72) व सत्यवती (60) को वहां मौजूद कर्मचारियों ने कोरोना वैक्सीन की जगह एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगा दिया था। इसके बाद महिला सरोज की हालत बिगड़ जाने पर मामले का खुलासा हुआ तो हड़कंप मच गया। बाद मे तीनों महिलाओं के परिजनों ने मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से करते हुए कार्यवाही की मांग की थी।

चुनाव प्रचार में मास्क नहीं पहनने से नाराज चुनाव आयोग ने चेताया, कहा- बैन करने से हिचकिचाएंगे नहीं

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक पार्टियो को चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना मानदंडो में 'ढिलाई' बरतने के लिए चेतावनी जारी की है। कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी के बीच चुनाव आयोग ने चुनाव प्रचार के दौरान स्टार प्रचारकों और नेताओं के मास्क नहीं पहनने की घटनाओं का उल्लेख किया और पिछले साल कोविड-19 के संबंध में आयोग द्वारा जारी निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करने को कहा है।

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को सभी राज्य और राष्ट्रीय दलों को लिखा और कहा कि आयोग मानदंडों को बनाए रखने में ढिलाई पर गंभीर विचार लेता है, विशेष रूप से मंच पर राजनीतिक नेताओं द्वारा मास्क नहीं पहने जाना÷ और ऐसी स्थिति में सुधार नहीं होने पर रैलियों के आयोजित करने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नेताओं को भेजे एक पत्र में चुनाव आयोग ने कहा है, हालिया हफ्ते में देखा गया है कि कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि आयोग के ध्यान में आया है कि चुनावी बैठकों, प्रचार के दौरान आयोग के निर्देशों की अवहेलना करते हुए सामाजिक दूरी बनाए रखने, मास्क पहनने के नियमों का पालन नहीं हुआ।

पत्र में स्टार प्रचारकों और नेताओं या

उम्मीदवारों द्वारा कोविड-19 के नियमों का पालन नहीं किए जाने का उल्लेख किया गया है। यहां तक कि प्रचार के दौरान या मंच पर भी मास्क पहनने के नियमों का पालन नहीं हुआ।

पत्र में कहा गया, ऐसा कर राजनीतिक दलों के नेताओं और उम्मीदवारों के साथ ऐसी चुनावी सभा में बड़ी संख्या में हिस्सा लेने वाले लोगों के भी संक्रमित होने का खतरा है। चुनाव आयोग ने कहा कि उल्लंघन होने पर वह निर्देशों की अवहेलना करने वाले उम्मीदवारों, स्टार प्रचारकों या नेताओं की जनसभाओं, रैलियों पर रोक लगाने से नहीं हिचकिचाएगा।

पश्चिम बंगाल में शनिवार को चौथे चरण के मतदान के बाद और तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रचार और मतदान पूरा होने के बाद यह चेतावनी आई है।

चुनाव आयोग ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि आयोग, उल्लंघन के मामलों में, बिना किसी और संदर्भ के डिफ़ॉल्ट उम्मीदवारों / स्टार प्रचारकों / राजनीतिक नेताओं की सार्वजनिक बैठकों, रैलियों आदि पर प्रतिबंध लगाने में संकोच नहीं करेगा। देश में कोविड -19 मामलों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, चुनाव निकाय ने दोहराया कि चुनाव संबंधी सभी कार्यक्रमों में फेस मास्क, हैंड सैनिटाइज़र और थर्मल स्कैनर आदि का उपयोग अनिवार्य था।

पिछले साल अक्टूबर और नवंबर के दौरान बिहार विधानसभा चुनावों और राज्यों के उपचुनावों के बाद जारी किए गए प्रोटोकॉल को दोहराने वाला यह पहला चुनावी अभ्यास है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संप्रभुता की चिंता

भारतीय समुद्री क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना का अभ्यास बड़ी चिंता का विषय है। यह मामला सीधे-सीधे भारत की संप्रभुता से जुड़ा है और सजगता से भी। खुद अमेरिकी नौसैनिक बेड़े ने माना है कि उसने भारत के 'एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन' में अभ्यास किया है। अमेरिकी बेड़े की ओर से जारी विज्ञप्ति इशारा करती है कि अमेरिकी पहले भी भारतीय समुद्री सीमा में आते रहे हैं। अमेरिका भारत का मित्र देश है और यदा-कदा उसका भारतीय क्षेत्र में आ जाना विशेष गंभीरता की बात नहीं है, लेकिन अगर बिना सूचना भारतीय क्षेत्र में अभ्यास की शुरुआत हो रही है, तो इस गलत परंपरा पर लगाम लगाना जरूरी है। अमेरिका भारत की मंजूरी के साथ आए, कोई हर्ज नहीं, लेकिन भारतीय क्षेत्र में किसी अन्य देश द्वारा सैन्य अभ्यास की सूचना छिपी नहीं रहनी चाहिए। अमेरिका ने अगर छिपाया है, तो दाल में कुछ काला देखना गलत नहीं है। विशेषज्ञों को चिंता हो रही है, तो उस चिंता को दूर करना भारतीय विदेश व रक्षा मंत्रालय के लिए जरूरी है। अमेरिकी नौसेना की सातवीं फ्लीट की टिप्पणी विशेष रूप से सवाल खड़े कर रही है। क्या अमेरिकी बल भारत-प्रशांत क्षेत्र में हर दिन ऑपरेशन करते हैं? क्या ये सभी ऑपरेशन किन्हीं अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ध्यान में रखकर किए जाते हैं? अंतरराष्ट्रीय कानून क्या कहता है? क्या अमेरिकी सुरक्षा बल कहीं भी उड़, तैर और अभ्यास कर सकते हैं? यदि अमेरिकी बेड़े के जवाब में भारत की परवाह शामिल नहीं है, तो आधिकारिक स्तर पर भारत को अपनी बात रखनी चाहिए। ऐसा ही खतरा जब चीन की ओर से अंडमान निकोबार के पास पैदा हुआ था, तब भारत ने कड़ी आपत्ति की थी, ठीक वैसी ही आपत्ति अमेरिका के साथ भारत भले न जताए, पर इतना दबाव तो बनाना ही चाहिए कि अमेरिकी बेड़ा अपने जवाब में शालीनता और मित्रता के शब्द जरूर रखे। भारत जैसे दूसरे देशों की संप्रभुता की कद्र करता है, ठीक वैसी ही उम्मीद उसका हक है। ऐसा न हो कि कोई देश मित्रता का सहारा लेकर भारत की अवहेलना करे। कतई जरूरी नहीं कि अमेरिका के साथ संबंधों में भारत एक विवाद पैदा कर ले, लेकिन अपनी गरिमा की रक्षा के लिए सजग होना अनिवार्य है। कायदा यह है कि किसी भी तटीय देश के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन की सीमा समुद्र तट से 200 नॉटिकल मील यानी 370 किलोमीटर की दूरी तक होती है। इस क्षेत्र में मौजूद समुद्री संसाधनों पर संबंधित देश का अधिकार होता है। अत- कोई शक नहीं कि अमेरिका को पूछकर ही अभ्यास करना चाहिए था। अगर अमेरिका ने ऐसा नहीं किया है, तो इसके दो अर्थ हो सकते हैं। पहला, भारत से मित्रता का वह लाभ लेना चाहता है और उसे लगता है, चीन की वजह से उलझा भारत आपत्ति नहीं करेगा। दूसरा अर्थ, विगत दिनों अमेरिकी मंत्रियों और विशेष दूत ने भारत दौरा किया है, क्या कोई ऐसी बात है, जो भारत ने नहीं मानी है, या जो अमेरिका को बुरी लगी है, और वह भारत को दबाव में लाना चाहता है। आज जिस दौर में दुनिया है, उसमें किसी भी आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता। हमें अधिकतम पारदर्शिता के साथ चलना चाहिए। अपने स्वभाव के अनुरूप संभावनाओं की तलाश भारत को जारी रखनी चाहिए और यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उदारता किसी भी मोर्चे पर देश के लिए बोझ न बने।

आज के ट्वीट

पालना

कोविड प्रोटोकॉल की पालना में सख्ती के साथ-साथ समझाइश पर भी जोर दिया जाए और अधिकारियों का आम लोगों के साथ व्यवहार संयत हो : --सीएम अशोक गहलोत

शब्दों में शालीनता और मर्यादा जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

बांग्ला भाषा का बड़ा प्यारा-सा शब्द है-दीदी। दीदी बड़ी बहन या बहन को कहते हैं, और अब तो बांग्ला भाषा का यह शब्द सारे उत्तर भारत में प्रचलित है। पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों में ममता बनर्जी को अक्सर दीदी कहकर संबोधित किया जा रहा है। उनके समर्थक और विरोधी दोनों उन्हें दीदी कह रहे हैं। अच्छा लगना चाहिए यह देखकर कि राजनीतिक-विरोधी एक-दूसरे को इतने स्नेहसिक्त शब्द के माध्यम से संबोधित कर रहे हैं। लेकिन कुछ लोगों ने इस व्यवहार को ग़लत माना है। उन्हें लग रहा है कि राजनेता इस शब्द का ही नहीं, इस शब्द के माध्यम से एक राजनेता का भी अपमान कर रहे हैं। सच पूछा जाये तो उन्हें इस संबोधन से नहीं, इस शब्द के बोले जाने के ढंग से आपत्ति है। पश्चिम बंगाल की चुनावी सभाओं में जिस तरह 'दीदी, ओ दीदी...' का उच्चारण हो रहा है, उस लहज़े से शिकायत है कुछ लोगों को। यह लहज़ा सम्मान जताने का तो नहीं ही लगता। लटके ले-लेकर जिस तरह सभाओं में इस शब्द के माध्यम से ममता बनर्जी को संबोधित किया जा रहा है, उसमें उपहास की गंध कहीं ज्यादा है। आपत्ति इस बात को लेकर है। और ग़लत नहीं है यह आपत्ति। राजनीतिक विरोधियों की आलोचना करना; उनकी कथित खामियों को गिनाना; उनकी कथित कमजोरियों का बखान करके उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश करना सामान्य बात है, पर यदि ऐसा करने में सामान्य शिष्टाचार और उचित व्यवहार की अनदेखी होती है तो इसे लेकर चिंता होनी ही चाहिए। इसी औचित्य का तकाज़ा है कि हमारी संसद में और राज्यों की विधानसभाओं में 'असंसदीय भाषा' पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सांसदों और विधायकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सदन के भीतर घोषित आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं करेंगे-और यदि कोई माननीय सदस्य जानबूझकर या अनजाने में ऐसा करता है तो उस शब्द को, या उन शब्दों को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाता है। यह एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है और दुनिया भर में जनतांत्रिक व्यवस्था वाले देशों में इसका पालन किया जाता है। सवाल उठता है जो शब्द संसद में बोलना अस्वीकार्य है, उन्हें सड़क पर बोलना स्वीकार्य क्यों होना चाहिए? किसी भी सभ्य समाज में इस संदर्भ में कोई लिखित व्यवस्था आवश्यक नहीं होनी चाहिए। हर ज़िम्मेदार नागरिक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी वाणी और व्यवहार पर अंकुश रखेगा। यह बात हमारे नेताओं पर कहीं ज्यादा लागू होती है। अपेक्षा की जाती है कि वे अपने व्यवहार से इस दिशा में उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। पर अक्सर वे ग़लत उदाहरण प्रस्तुत करते देखे जाते हैं। यह दीदी वाला उदाहरण ही लें। बंगाल में सड़क किनारे बैठकर आती-जाती युवतियों पर, छींटाकशी करने वालों को अक्सर 'दीदी, ऐ दीदी' कहते सुना जाता है। सांसद महुआ मोइत्रा के अनुसार ऐसे लोगों को 'रोक-अर-छेले' कहा जाता है और उन्होंने हमारे कुछ नेताओं पर भी आरोप लगाया है कि वे चुनावी सभाओं में इसी तरह का व्यवहार कर रहे हैं। सवाल चुनावी सभाओं में अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने का नहीं है। जनतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की जायज़ कोशिश करना कतई ग़लत नहीं है, पर इस कोशिश में शिष्टाचार और व्यवहार की सीमाओं का अतिक्रमण किसी भी दृष्टि से सही नहीं ठहराया जा सकता। दुर्भाग्य से, हमारे नेता, चाहे वे किसी भी रंग के झंडे वाले हों, अक्सर यह अतिक्रमण करते दिखते हैं। यह प्रवृत्ति चुनावी सभाओं में और ज़्यादा उभर कर सामने आती है। कभी जानबूझकर, और कभी अनजाने में, वे अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए ऐसे शब्दों और ऐसे लहज़े का उपयोग करते हैं, जिसे सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं किया जाना चाहिए। कुछ साल पहले एक चुनावी सभा में एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने अपने विरोधी के लिए 'मौत का सौदागर' विशेषण काम में लिया था। तब उस विरोधी नेता ने 'जर्सी गाय' कह कर अपने प्रतिद्वंद्वी को संबोधित किया था। ऐसा ही एक उदाहरण एक नेता ने 'रामज़ादे और हरामज़ादे' कह कर प्रस्तुत किया था। ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है। सवाल उठता है क्यों ज़रूरत पड़ती है किसी नेता को इस तरह के शब्दों की और इस तरह की लटकेबाजी की? क्या-क्या नहीं कहते हमारे नेता एक-दूसरे को। एक नेता दूसरे पर 'टोलाबाजी', 'कट मनी' और 'मिशी भाइपो' का आरोप लगाता है तो जवाब में दूसरा अपने विरोधी को 'दैत्य और दंगाबाज' कह रहा है। इस तरह के उदाहरण सिर्फ बंगाल में ही नहीं दिख रहे। पिछले चुनावों में देश में कई जगह इस तरह के शब्द और वाक्य काम में लिये जाते रहे हैं। आज भी हमारे नेता एक-दूसरे पर बेबुनियाद आरोपों की झड़ी लगाते दिखते हैं। हमारे मंत्रियों तक को यह याद नहीं रहता कि सदन में किसी को झूठा कहना भी असंसदीय शब्द माना गया है! वहां भी यह अपेक्षा की जाती है कि माननीय सदस्य किसी को झूठा कहने के बजाय यह कहे कि 'आप सच नहीं बोल रहे।' सच न बोलने और झूठ बोलने में भले ही कोई अंतर न होता हो, पर शब्दों की मर्यादा और शालीनता तो साफ दिखती है। यह मर्यादा सड़क पर भी निभायी जानी चाहिए। जब कोई नेता विशाल जनसभा में लटके ले-लेकर बोलता है तो तालियां ज़रूर बजती हैं, पर शब्दों की मर्यादा का उल्लंघन कोई अच्छा उदाहरण प्रस्तुत नहीं करता। जनतांत्रिक मूल्यों का तकाज़ा है कि हमारे नेता स्वस्थ उदाहरण प्रस्तुत करें। किसी को 'पप्पू' या 'मंदबुद्धि' कहना उसे छोटा नहीं बनाता, उल्टे कहने वाला स्वयं अपनी गरिमा खो रहा होता है। इसी तरह किसी को 'फेंकू' या 'हवाबाज़' घोषित कर देने से उसका कद छोटा नहीं हो जाता। आरोप लगाना ग़लत नहीं है, पर बेबुनियाद आरोप अपराध की श्रेणी में आते हैं। किसी संदर्भ विशेष में राजनीतिक विरोधी का मज़ाक उड़ाना भी समझ में आ सकता है, पर इस बात का ध्यान रखा जाना ज़रूरी है कि किसी का मजाक उड़ाते-उड़ाते आप स्वयं मजाक न बन जाएं। पचहत्तर साल का हो रहा है हमारा जनतंत्र।

यह उम्र हमसे एक परिपक्वता की अपेक्षा करती है। हमारी कथनी और करनी दोनों में यह परिपक्वता झलकनी चाहिए। प्रतिद्वंद्वी का मज़ाक उड़ाकर नहीं, उसकी सीमाओं को उजागर करके हम अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर सकते हैं। पता नहीं हमारे नेता कब यह समझेंगे कि दूसरे की खींची रेखा को छोटा सिद्ध करने के लिए उसे मिटाने की नहीं, उससे बड़ी रेखा खींचने की आवश्यकता होती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा — परमात्व तत्व

श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को समझ लेता है, उसका संबंध परमात्म तत्त्व से स्पष्ट और प्रकट हो जाता है, जिसकी अभिव्यक्ति उच्च शक्तियों के रूप में होकर संसार को प्रभावित करने लगती है और लोग उस व्यक्ति को अवतार, ऋषि, योगी आदि के रूप में पूजने और मनन करने लगते हैं। वह दिव्य पुरुष बन जाता है। परमात्म तत्त्व वह अनंत जीवन, वह सर्वव्यापी चैतन्य और वह सवरेपरि सत्ता है जो इस जगत के पीछे अदृश्य रूप से काम करती, इसका नियमन और नियंत्रण करती है और जिससे दृश्यमान जीवन आता है और सदा सर्वदा आता रहेगा। इसी अनंत, असीम और अनादि ज्ञान और शक्ति के भंडार से संबंध स्थापित हो जाने से साधारण मनुष्य असाधारण बनकर अपने वास्तविक स्वरूप का ज्ञाता हो जाता है। अणु-अणु का मूलाधार वह परमात्म तत्त्व ही है। सब कुछ इसी से बनता और उसी चेतन शक्ति से गतिशील होता है। आकार-प्रकार में भिन्न दिखते हुए भी प्रत्येक पदार्थ एवं प्राणी एक उसी तत्त्व का अंश है। जिस प्रकार समुद्र से उठाया हुआ एक जल बिन्दु भिन्न दिखता हुआ भी मूलत- उसी का संक्षिप्त स्वरूप होता है और समुद्र की सारी विशेषताएं उसमें होती हैं, उसी प्रकार व्यक्तिगत जीवन और समष्टिगत जीवन सीमित और असीमित के मिथ्या के भेद के साथ तत्त्वत- एक ही है। जो जीवात्मा है, वही परमात्मा और जो परमात्मा है वही जीवात्मा। इस सत्य को जानना ही आत्म ज्ञान है। जिन-जिन महापुरुषों ने आत्मज्ञान की प्राप्ति कर ली है, उन्होंने अपना अनुभव प्रकट करते हुए उसकी इस प्रकार पुष्टि की है कि हम अपना जीवन परमात्म तत्त्व से एक दिव्य प्रवाह के रूप में पाते हैं अथवा हमारे जीवन का उस परमात्म तत्व से ऐक्य है। हममें और परमात्मा में कोई भेद नहीं है। हम और हमारा ईश्वर एक सत्य के ही दो नाम और दो रूप हैं। यही ज्ञान अथवा अनुभव आत्मानुभूति आत्म प्रतीति अथवा आत्म ज्ञान के अर्थ में मानी गई है। प्रतीति के साथ शक्ति का अटूट संबंध है जिसे अपने प्रति सर्वशक्तिमान की प्रतीति होती है। वह सर्वशक्तिमान और जिसको अपने प्रति निर्बलता की प्रतीति होती है वह निर्बल बन जाता है और तदनुसार उसका जीवन व्यक्त अथवा प्रकट होता है। अपने प्रति इस प्रतीति की स्थापना करने का प्रयास ही आत्म ज्ञान की ओर अग्रसर होना है।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

अभी भी अधूरा है समानता का सपना

आलोक यात्री

दुनिया में महिला व पुरुषों के बीच असमानता वाली लैंगिक रिपोर्ट का ताजा संस्करण यह बताता है कि तमाम कोशिशों के बाद भी स्त्रियों को बराबरी का दर्जा हासिल करने के लिए एक और सदी तक इंतजार करना पड़ सकता है। वर्ल्ड इकोनामिक फोरम की इस साल की वैश्विक लैंगिक भेदभाव रिपोर्ट में 156 देशों में भारत 144वें स्थान पर खिसक गया है। बीते साल भारत 112वें स्थान पर था। दूसरी ओर आइसलैंड लगातार 12वीं बार दुनिया में सबसे ज्यादा लैंगिक समानता वाले देश के रूप में शीर्ष पर है। इस मामले में फिनलैंड दूसरे, नॉर्वे तीसरे, न्यूजीलैंड चौथे और स्वीडन पांचवें स्थान पर है। यह रिपोर्ट उस समय और भी महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हो जाती है जब भारत को दुनिया भर में तीन तलाक से मुक्त, महिला आरक्षण और लैंगिक सहभागिता के बरअक्स देखा जा रहा हो। रिपोर्ट का सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि एशिया में सिर्फ पाकिस्तान और अफगानिस्तान ऐसे देश हैं जो लैंगिक समानता के मामले में भारत से पीछे हैं। भारत से आगे देशों में बांग्लादेश की स्थिति हमसे कहीं बेहतर है। वह 65वें स्थान पर है। लिहाजा यह सवाल उठना लाजमी है कि 21वीं सदी का भारत जा कहां रहा है? आज के दौर में सरकारें वही दिखाती हैं जो वह दिखाना जरूरी समझती हैं। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं वहां की गई घोषणाओं पर एक नजर डालने से ही यह स्पष्ट हो जाता है कि लगभग हर क्षेत्र में फिसल रहे देश को संभालने का कोई दावा या वादा नहीं किया जा रहा है। इस संदर्भ में गौर करने वाली बात यह है कि देश में लंबे समय से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना समेत महिलाओं के सशक्तीकरण और उन्हें बढ़ावा देने की कई योजनाओं पर अमल हो रहा है। बावजूद इसके 2021 में भारत 28 पायदान नीचे आ गया है। गौरतलब है कि वैश्विक लैंगिक अंतराल के आकलन की जरूरत पहली बार 2006 में महसूस की गई थी। जिसमें आर्थिक भागीदारी और अवसर, शिक्षा का अवसर, स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता तथा राजनीतिक सशक्तीकरण के आधार पर महिलाओं की उपलब्धियों का आकलन किया जाता है। रिपोर्ट खुलासा करती है कि इस क्षेत्र में खासकर दक्षिण एशियाई देशों में भारत का प्रदर्शन सबसे खराब रहा है। महिला तथा पुरुषों को समान अधिकार, दायित्व तथा रोजगार के अवसरों के मद्देनजर दिसंबर, 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्चस्तरीय बैठक में एजेंडा-2030 के तहत 17 सतत विकास लक्ष्यों को रखा गया था। जिसे भारत सहित 193 देशों ने स्वीकार किया था। इसकी जरूरत शायद इसलिए बढ़ी क्योंकि लगभग पूरी दुनिया में महिलाओं को परंपरागत रूप से कमजोर या पुरुषों के मुकाबले कमतर समझा जाता है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनैतिक प्रगति के बावजूद मौजूदा भारतीय समाज में पितृसत्तात्मक मानसिकता गहराई तक पैठ जमाए है। राजनीतिक क्षेत्र का आकलन साफ बताता है कि अधिकांश देशों में राजनीतिक सशक्तीकरण सूचकांक में 13.5 फ़ीसदी की गिरावट आई है। वर्ष 2019 में दुनिया भर के मंत्रिमंडलों में महिला मंत्रियों की हिस्सेदारी 23.1 फीसदी थी जो वर्ष 2021 में घटकर महज 9.1 फ़ीसदी रह गई है। वैश्विक स्तर पर संसद की कुल 35500 सीटों में से महिलाओं का प्रतिनिधित्व महज 26.1 फीसदी है। कुल 3400 से अधिक मंत्रियों में से केवल 22.6 फ़ीसदी महिला प्रतिनिधि हैं। सूची में 81 देश ऐसे हैं जहां 15 जनवरी 2021 तक किसी महिला प्रमुख की नियुक्ति नहीं हुई थी। बांग्लादेश एकमात्र ऐसा देश है जहां बीते 50 वर्षों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या और स्थिति बेहतर रही है और राज्य व देश के प्रमुख पदों पर भी वे आसीन हैं। आर्थिक भागीदारी के मामले में सर्वाधिक लैंगिक अंतराल वाले देशों में ईरान, भारत, पाकिस्तान, सीरिया, यमन, इराक और अफगानिस्तान शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस वर्ष आर्थिक भागीदारी में अंतर 3 फ़ीसदी बढ़ गया है। पेशेवर और तकनीकी भूमिकाओं में भी महिलाओं की भागीदारी 29.2 फ़ीसदी तक घट गई है। देश में महिलाओं की अनुमानित आय पुरुषों के मुकाबले मात्र 20 फीसदी है।

जिस वजह से देश इस पायदान पर वैश्विक स्तर के मुकाबले 10 पायदान नीचे है। उच्च और प्रबंधकीय पदों पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी 14.6 फीसदी है। यही नहीं, देश में महज 8.9 फ़ीसदी फर्मों में ही महिला प्रबंधक शीर्ष पर हैं। स्वास्थ्य और उत्तर जीविता सूचकांक के क्षेत्र में भी भारत का प्रदर्शन खराब रहा और यह 155वें स्थान पर रहा। इस क्षेत्र में चीन की स्थिति भी कमोबेश यही है। आंकड़े बताते हैं कि प्रसव पूर्व लिंग परीक्षण जैसी प्रथाओं के चलते प्रति वर्ष गायब होने वाली बालिकाओं के 1.2 से 1.5 मिलियन मामलों में 90 से 95 फ़ीसदी मामले केवल भारत और चीन के हैं। ताजा आंकड़े और जमीनी हकीकत इशारा कर रहे हैं कि महिला-पुरुषों के बीच असमानता की यह दूरी समाप्त करने में एक सदी से अधिक का लंबा समय लगेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना काल में हो गए हैं बेरोजगार तो शुरू करें शहद का बिजनेस, होगी लाखों की कमाई

कोरोना काल में ना जाने कितने लोगों का रोजगार छिन गया. अगर आप इनमें से एक हैं और आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं तो आप बेहद ही कम लागत में शहद का कारोबार शुरू कर सकते हैं और अच्छी कमाई कर सकते हैं. मधुमक्खी पालन करने वालों को सरकार आर्थिक मदद और ट्रेनिंग भी मुहैया कराती है. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने हाल ही में मधु क्रांति पोर्टल व हनी कॉर्नर सहित कई परियोजना का शुभारंभ किया. इसमें मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जुड़ी जानकारी समेत एक्सपर्ट के सुझाव दिए होंगे, जिससे जुड़कर छोटे उद्यमी उचित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. मधुमक्खी पालन का व्यवसाय शुरू करने वाले इच्छुक लोगों की इसके तहत आर्थिक मदद भी की जाएगी और उन्हें यह भी बताया जाएगा कि वह कैसे शहद बेच कर मुनाफा कमा सकते हैं. इसके अलावा लोगों को ट्रेनिंग भी दी जाएगी कि कैसे वह शहद का कारोबार कर सकते हैं. सरकार कामगारों को वैज्ञानिक तरीके से कम समय में ज्यादा एवं बेहतर तरीके से शहद निकालने के गुर भी सिखाएगी. सरकारी संस्थान नेफेड यह देखेगी कि कामगारों को शहद बेचने के लिए उचित मार्केट मिल सके. विदेशों में भारतीय शहद की मांग तेजी से बढ़ी है, जिस वजह से आप शहद का कारोबार कर अच्छी कमाई कर सकते हैं.

बीएसई, एनएसई ने निवेशकों को चेताया, 300 गतिहीन शेयरों में कारोबार के समय रहें सावधान

नयी दिल्ली। शेयर एक्सचेंजों बीएसई और एनएसई ने निवेशकों से 300 से अधिक 'गतिहीन' शेयरों में कारोबार करते समय सावधानी बरतने को कहा है। 'इलिक्विड' (गतिहीन) शेयर ऐसे शेयर होते हैं, जिनका कारोबार सीमित होता है जिसकी वजह से उन्हें आसानी से बेचा नहीं जा सकता। निवेशकों के लिए ऐसे शेयरों में कारोबार जोखिम भरा होता है क्योंकि इनके लिए खरीदार मिलना मुश्किल होता है। बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दोनों ने इस बारे में एक जैसा सर्कुलर जारी करते हुए सदस्यों से कहा है कि ऐसे शेयरों में अपने लिए या अपने ग्राहकों की ओर से कारोबार करते समय अतिरिक्त जांच-पड़ताल करें। बीएसई और एनएसई ने क्रमशः 299 और 13 लिक्विड शेयरों की सूची जारी की है। बीएसई द्वारा जारी सूची में गरवारे मैरीन इंडस्ट्रीज लि., मेफकॉम कैपिटल मार्केट्स लि., एकाम लीजिंग एंड फाइनेंस कंपनी, मारुति सिक्योरिटी लि., बेंगलूर फोर्ट फार्म्स लि., गुजरात इन्वेस्टा लि., गोलचा ग्लोबल फाइनेंस लि., वेरटेक्स सिक्योरिटीज लि., मुनोथ फाइनेंशियल सर्विसेज लि. और इंडो एशिया फाइनेंस शामिल है। वहीं एनएसई की ओर से जारी सूची में बीकेएम इंडस्ट्रीज, बीएसईएल इन्फ्रास्ट्रक्चर रियल्टी, क्रिएटिव आई, यूरोटेक्स इंडस्ट्रीज एंड एक्सपोर्ट्स, ग्रैंड फाउंड्री, जीटीएन टेक्सटाइल्स और होटल रग्बी शामिल हैं।

अब फाइनेंसर के ई-मेल से पुष्टि होने के बाद हटेगा आरसी से हाइपोथिकेशन

नई दिल्ली। परिवहन विभाग द्वारा अकेले फॉर्म नंबर-35 के आधार पर वाहन के रजिस्ट्रेशन कार्ड (आरसी) से फाइनेंसर का हाइपोथिकेशन नहीं हट सकेगा। वाहन खरीदार को इसके लिए फाइनेंसर से परिवहन विभाग को ई-मेल करवाना होगा।×ठुड्डह्यश्च;आरटीओ से वाहन मालिक को एनओसी व हाइपोथिकेशन हटा हुआ आरसी दे दिया जाएगा। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर मुकेश जैन का कहना है कि इस व्यवस्था को जल्द लागू करेंगे। कई मौकों पर वाहन मालिक द्वारा लोन की सारी किश्तें ऑनलाइन चुकाने के बाद भी फाइनेंस कंपनी के दस्तावेजों में उसकी जानकारी अपडेट नहीं हो पाती।×ठुड्डह्यश्च;ऐसे में वाहन मालिक को बेवजह फाइनेंसर के चक्कर काटना पड़ते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए फाइनेंसर को एनओसी लेटर व ई-मेल भी परिवहन विभाग को करना होगा।

निर्मला सीतारमण की विश्वबैंक समूह से अपील, जारी रखे संकट के समय दी जाने वाली मदद

बिजनेस डेस्क :

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को विश्वबैंक समूह (डब्ल्यूबीजी) से कमजोर देशों की ऋण भुगतान क्षमता (को मजबूत करने की जरूरत) को ध्यान में रखते हुए संकट के दौर में किए गए उपायों को बनाए रखने की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया। वित्त मंत्री सीतारमण ने विश्वबैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विकास समिति की 103वीं बैठक को वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए विकासशील देशों को समय पर और सस्ती दरों में टीका उपलब्ध कराने में विश्व बैंक समूह द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूबीजी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और वैश्विक टीका गठबंधन जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों की मदद से यह काम करने में भूमिका निभाई। सीतारमण ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान विश्वबैंक समूह ने अपनी वित्त पोषण गतिविधियों को बढ़ाया है। इसके चलते पहली बार कुल मंजूर कर्ज की रकम 100 अरब डालर से ऊपर निकल गई। वित्त मंत्री ने कहा कि वर्तमान में सभी देश कोविड- 19 महामारी से अपने लोगों को सुरक्षित निकालने और अपनी अर्थव्यवस्था का संचालन करने पर है। सीतारमण ने कहा कि भारत ने महामारी की रोकथाम और उसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को कम करने के लिये कई उपाय किए हैं। इसके लिए पिछले एक साल के दौरान आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज की पूरी श्रंखला जारी की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने इस दौरान कुल मिलाकर 27.1 लाख करोड़ रुपए का आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की है जो कि जीडीपी का 13 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ये पैकेज न केवल गरीब और वंचित तबके को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए जारी किए गए हैं बल्कि इसके साथ आर्थिक सुधारों को भी आगे बढ़ाने का काम किया गया है।

सोना हुआ महंगा, चांदी हुई सस्ती

नई दिल्ली। दिल्ली सर्राफा बाजार में रुपये के मूल्य में गिरावट आने कारण सोना 97 रु मजबूत होकर 46,257 रु प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके विपरीत, चांदी का भाव 275 रुपये की गिरावट के साथ 66,253 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 66,528 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''रुपये की विनिमय दर में गिरावट आने से दिल्ली में 24 कैरेट सोने के हाजिर भाव में 97 रु की तेजी आई। विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार के आरंभिक कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 17 पैसे टूटकर 74.75 रुपये पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव गिरावट के साथ 1,745 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी 25.15 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। उन्होंने कहा, ''डॉलर में लाभ दर्ज होने के साथ सोने में कुछ मुनाफावसूली होती देखी गई।

भारतीय छात्रों को सशक्त बनाने के लिए सैमसंग ने लॉन्च किया नया कैम्पेन

गुरुग्राम।

कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर के मद्देनजर घर से ऑनलाइन पढ़ाई करने के नियम का विस्तार किया गया है, ऐसे में सैमसंग ने शनिवार को भारत में बैक टू स्कूल कैम्पेन ऐलान किया। इसके तहत किफायती दर पर गैलेक्सी टैबलेट्स का इस्तेमाल कर स्टूडेंट्स सहित टीचर्स पढ़ाने के एक नए और बेहतर अनुभव का आनंद उठा पाएंगे। कंपनी ने कहा कि उनकी तरफ से यह ऑफर गैलेक्सी टैब एस6 लाइट, गैलेक्सी टैब ए7, गैलेक्सी टैब एस7 और गैलेक्सी टैब एस7 प्लस पर उपलब्ध है। सैमसंग इंडिया में टैबलेट्स बिजनेस के निदेशक मधुर चतुर्वेदी ने कहा, बैक टू स्कूल कैम्पेन के साथ हमारा मकसद किफायती ई-लर्निंग टूल्स की चाह रखने वाले स्टूडेंट्स और टीचर्स के लिए शिक्षा में योगदान देने का है ताकि वे स्मार्ट लर्निंग का लाभ उठा सके। सैमसंग डॉट कॉम पर सैमसंग स्टूडेंट एडवांटेज के माध्यम से इस कैम्पेन के एक हिस्से के रूप में टीचर्स और स्टूडेंट्स दोनों को गैलेक्सी टैब एस7 प्लस, गैलेक्सी टैब एस7, गैलेक्सी टैब एस6 लाइट और गैलेक्सी टैब ए7 पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत तक अधिक डिस्काउंट दिया जाएगा। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए सैमसंग स्टूडेंट एडवांटेज पर लॉगिन करने के लिए टीचर्स और स्टूडेंट्स अपने आधिकारिक स्कूल या कॉलेज ईमेल आईडी का इस्तेमाल कर सकते हैं या सैमसंग के ऑफिशियल स्टूडेंट आईडी वेलिडेशन पार्टनर, स्टूडेंट आइडेंटिफाई के माध्यम से अपने परिचय पत्र का सत्यापन करा सकते हैं।

देश में कोविड प्रतिबंधों से व्यापार में एक सप्ताह में 30 फीसदी की गिरावट, बाजारों में फुटफाल 50 फीसदी तक गिरा

नई दिल्ली।

देश में बढ़ते कोरोना के कारण देश के उपभोक्ताओं के मन में डर बिठा दिया है। वहीं इस पर रोकथाम पाने के लिए उठाए गए कदमों से अब बाजारों और व्यापार में नुकसान होने लगा है। कैट के अनुसार पिछले एक सप्ताह में देश के विभिन्न राज्यों के रिटेल व्यापार में 30 प्रतिशत की कमी आई है, वहीं रात्रि कर्फ्यू लगने से एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने वाले व्यापार की काम ढुलाई होने के कारण लगभग 15 से 20 प्रतिशत के व्यापार की गिरावट थोक व्यापार में आई है। दूसरी ओर देश के अनेक राज्यों में कई प्रकार के प्रतिबन्ध लगने तथा कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने के कारण बाजारों में उपभोक्ताओं का आना -जाना लगभग 50 प्रतिशत कम हो गया है। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया की, पिछले एक सप्ताह में कोविड के आंकड़ों के एक गहन विश्लेषण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कर्फ्यू और लॉकडाउन कोरोना मामलों को नियंत्रित करने के वांछित परिणाम प्राप्त करने में बिल्कुल व्यर्थ साबित हुए हैं। कैट ने महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों के व्यापारियों से बातचीत के आधार पर यह आंकड़े जारी करते हुए कहा की देश भर में लोगों के बीच अनेक किंवदंतियों से देश में तेजी से बढ़ते कोविड मामलों के कारण लोगों ने अब घर से बाहर निकलना काफी हद तक कम कर दिया है, जिसका असर रिटेल बाजारों पर साफ दिखाई पड़ रहा है। वहीं लगभग सारे देश में दिन में मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबन्ध है जो रात्रि 9 बजे खुलता है लेकिन तब तक अधिकांश राज्यों में रात्रि कर्फ्यू लग जाता है इसलिए थोक माल की आवा जाही पर भी 15 से 20 प्रतिशत कमी आयी है है। कैट के मुताबिक रात्रि कर्फ्यू अथवा लॉकडाउन कोविड से निपटने का कोई हल नहीं है। इस बार कोविड महामारी से निपटने के लिये कैट ने लगातार सरकार से सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत करते हुए सबके सहयोग से एक मजबूत रणनीति बनाये जाने पर जोर दिया है !

यूट्यूब पर नफरत फैलाने वाली सामग्री हटाने को लेकर सख्त गूगल

सैन फ्रांसिस्को।

तकनीकी दिग्गज गूगल ने कहा है कि उसने नफरत फैलाने वाले भाषण से जुड़े कई शब्दों को यूट्यूब वीडियो पर विज्ञापन कीवर्ड के रूप में इस्तेमाल करने से रोक दिया है। द वर्ज के अनुसार, यह कदम द मार्कअप की एक रिपोर्ट का अनुसरण करता है, जिसमें पाया गया कि विज्ञापनदाता यूट्यूब पर विज्ञापन देने के स्थान पर व्हाइट लाइफ मैटर और व्हाइट पावर जैसे शब्दों को सर्च कर सकते हैं। उसी समय, रिपोर्ट में पाया गया कि गूगल विज्ञापनदाताओं को ब्लैक लाइव्स मैटर जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने से रोक रहा है। द मार्कअप जब कमेंट करने के लिए यूट्यूब की मूल कंपनी गूगल के पास पहुंचा तो, उसने कहा कि कंपनी ने वास्तव में ब्लैक एक्सीलेंस और नागरिक अधिकारों सहित अधिक नस्लीय और सामाजिक न्याय से जुड़ी चीजों को अवरुद्ध कर दिया है। द वर्ज ने गूगल के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा, हम नफरत और उत्पीड़न के मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेते हैं इसकी सबसे मजबूत शब्दों में निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, हालांकि यूट्यूब पर कोई भी विज्ञापन इस कंटेंट के खिलाफ नहीं चला, क्योंकि हमारी बहुस्तरीय प्रवर्तन रणनीति ने इस जांच के दौरान काम किया, हम पूरी तरह से स्वीकार करते हैं कि पहचाने गए शब्द आक्रामक और हानिकारक हैं और उन्हें सर्च नहीं किया जाना चाहिए। हमारी टीमों ने इस मुद्दे पर संज्ञान लिया है और हमारी प्रवर्तन नीतियों का उल्लंघन करने वाले शब्दों को अवरुद्ध किया है। हम इस संबंध में आगे भी सतर्क रहेंगे। यूट्यूब ने यह भी कहा कि उसके प्लेटफॉर्म पर आक्रामक या हानिकारक विज्ञापनों को चलने से रोकने के लिए सुरक्षा की कई परतें हैं और वह नियमित रूप से अभद्र भाषा वाली वीडियो हटाता रहता है। पिछले साल कंपनी ने कहा था कि उसने अपनी पता लगाने की प्रणाली को खत्म करने की कोशिशों वाले 86.7 करोड़ से अधिक विज्ञापनों को अवरुद्ध किया है या हटा दिया है और कुल मिलाकर तीन अरब से अधिक बुरे विज्ञापनों को हटाया गया है।

सरकार ने मध्य प्रदेश में 726 करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी

नयी दिल्ली,

सरकार ने मध्य प्रदेश में 726 करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। ये परियोजनाएं राज्य में 291 किलोमीटर राजमार्गों के निर्माण से संबंधित है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। गडकरी ने कहा, ''सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में 291 किलोमीटर की 726 करोड़ रुपये की सड़क विकास परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है।'' इन परियोजनाओं में घोषित राष्ट्रीय राजमार्ग (572 किलोमीटर) के अद्यतन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी शामिल है। इसकी लागत 17.72 करोड़ रुपये है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग 86/934 पर सागर-छत्तरपुर में 22.65 करोड़ रुपये की लागत से सड़क मार्ग को मजबूत करने की परियोजना भी शामिल है। गडकरी ने कहा कि सीधी सिंगरौली राजमार्ग के शेष कार्य को भी मंजूरी दी गई है। इसकी लागत 529.44 करोड़ रुपये बैठेगी। मंजूर परियोजनाओं में बमीठा-खजुराहो सड़क भी शामिल है। इस परियोजना की लागत 73.43 करोड़ रुपये है।

कंपनी के बंद होने के बाद कैसे निकालें अपने PF का पैसा, ये है आसान तरीका

कर्मचारियों की सैलरी का कुछ हिस्सा प्रोविडेंट फंड यानी पीएफ के रूप में जमा हो जाता है, जिसका इस्तेमाल कर्मचारी जरूरत पड़ने पर कर सकता है. इस पर ब्याज भी मिलता है. आप पीएफ अकाउंट को नौकरी बदलने के समय ट्रांसफर भी कर सकते हैं. लेकिन कई बार पुराने खाते को ट्रांसफर ना करने और इसमें काफी दिनों तक ट्रांजैक्शन ना होने की वजह से यह अकाउंट बंद हो जाते हैं. अगर कंपनी बंद हो गई है तो आपका पैसा अटक सकता है. ऐसी समस्याओं का लोगों को सामना करना पड़ता है. अचानक कंपनी बंद होने के बाद पीएफ का पैसा फंस गया है तो इसके लिए कंपनी के एचआर से कुछ कागजी कार्रवाई करवानी पड़ती है. अगर आप भी इनमें से एक है तो यह जान लीजिए कि आप कैसे कंपनी के बंद होने के बाद आसानी से अपना पैसा निकलवा सकते हैं.

बैंक केवाईसी कराएं अपडेट

अगर पुरानी कंपनी बंद हो गई है और पीएफ अकाउंट डीएक्टिवेट हो गया है तो आप बैंक की मदद ले सकते हैं. आपको केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करनी होगी और इसके बाद क्लेम को बैंक की ओर से केवाईसी दस्तावेजों के आधार पर सर्टिफाई किया जाएगा जिसके बाद आपको पैसा मिल जाएगा. आपको निष्क्रिय खातों से जुड़े क्लेम को पाने के लिए केवाईसी को सर्टिफाई करवाना होगा. इसके लिए आपको पैन कार्ड, वोटर आईडेंटिटी कार्ड, पासपोर्ट, राशन कार्ड, ईएसआई आइडेंटिटी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस एवं आधार कार्ड दस्तावेजों की जरूरत होगी. आपको पीएफ का पैसा तभी मिल सकता है जब आपको असिस्टेंट प्रोविडेंट फंड कमिश्नर या दूसरे अधिकारी से ट्रांसफर की मंजूरी मिल जाएगी. इसके लिए आपको ईपीएफओ अधिकारियों से संपर्क करना होगा.

एप्पल आईफोन 13 लाइनअप में 120 हॉर्ट्ज प्रोमोशन डिस्प्ले का कर सकता है उपयोग

सैन फांसिस्को।

अगली पीढ़ी का आईफोन 13 प्रो लाइनअप पहली बार कथित तौर पर 120 हॉर्ट्ज प्रोमोशन डिस्प्ले के साथ पेश किया जाएगा।

एप्पलइन्साइडर के अनुसार, आईफोन के लिए कम तापमान वाले पॉलीक्रिस्टलाइन ऑक्साइड (एलटीपीओ) डिस्प्ले दो साल तक आने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डिवाइस पर पहली बार 120 हॉर्ट्ज रिफ्रेश डिस्प्ले देते हुए, डिस्प्ले आखिरकार आईफोन पर आ जाएगी। उद्योग से जुड़े स्रोतों का हवाला देते हुए, आपूर्ति श्रृंखला मॉनिटर डिजीटाइम्स का दावा है कि सैमसंग और एलजी आईफोन-ओनली प्रोडक्शन लाइनों को एलटीपीओ तकनीक उत्पादन में परिवर्तित कर रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह माइग्रेशन जल्द ही समाप्त हो जाएगा, जिससे दोनों को 2021 में उपयोग के लिए समय पर एप्पल को स्क्रीन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। कहा जा रहा है कि एप्पल अपने हाई एंड आईफोन 13 और तथाकथित आईफोन 13 प्रो और आईफोन 13 प्रो मैक्स में डिस्प्ले का उपयोग कर रहा है। लोअर-एंड आईफोन 13 मॉडल के लिए डिस्प्ले पैनल ऑर्डर ओएलईडी आपूर्तिकताओं एलजी डिस्प्ले और बीओई द्वारा भरे जाने की उम्मीद है। एप्पल कथित तौर पर आईफोन 12 की रिलीज से पहले एलटीपीओ पतली-फिल्म ट्रांजिस्टर के लिए एक बैटरी-बचत तकनीक पर काम कर रहा था। यह तकनीक स्पष्ट रूप से पूरी हो गई है, क्योंकि डिजीटाइम्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि स्क्रीन वाले डिवाइस में बिजली की खपत में 20 प्रतिशत तक की कमी देखी जा रही है।

500 कर्मियों की सुंदर पिचाई से मांग, उत्पीड़कों को संरक्षण देना बंद करें

सैन फांसिस्को।

एल्फाबेट और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को खुला पत्र लिखकर 500 से अधिक कर्मियों ने मांग की है कि कंपनी उत्पीड़कों को संरक्षण देना बंद करें और वर्कर्स को काम करने के लिए एक शांतिपूर्ण माहौल प्रदान करें। एक इंजीनियर के तौर पर गूगल में पहले काम कर चुकीं एमी नेटफील्ड ने द न्यूयॉर्क टाइम्स में एक ओपिनियन पीस लिखा, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें उस शख्स के साथ एक के बाद एक मीटिंग करने के लिए मजबूर किया जाता था, जिसके द्वारा उन्हें परेशान किया जाता था। एमी लिखती हैं, मुझे परेशान करने वाला आदमी अभी भी मेरे पास बैठता है। मेरे मैनेजर ने मुझे बताया कि एचआर द्वारा उसके डेस्क को बदला नहीं जाएगा। ऐसे में या तो घर से काम करो या छुट्टियों पर चली जाओ। एमी के आवाज उठाने के बाद ही मामले ने तूल पकड़ा। शुक्रवार देर रात को मीडिया पर प्रकाशित हुए इस खुले पत्र में लिखा गया, यह एक बड़ी बात है, जहां एल्फाबेट उत्पीड़कों द्वारा नुकसान पहुंचाए गए लोगों की सुरक्षा करने के बजाय उत्पीड़कों को संरक्षण देता है। उत्पीड़ित किए जाने के बारे में शिकायत करने वाले व्यक्ति को बोझ सहने के लिए मजबूर किया जाता है। आमतौर पर परेशान होने वाला व्यक्ति ऑफिस छोड़ देता है, लेकिन दोषी वहीं रह जाता है या उसे उसकी हरकतों के लिए पुरस्कृत किया जाता है। इसमें आगे लिखा गया, एल्फाबेट के 20,000 से अधिक कर्मियों द्वारा यौन उत्पीड़न के खिलाफ विरोध जताने और परेशान हुए व्यक्ति को संरक्षण देने के बाद भी ऐल्फाबेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह गूगल के नियमों का पालन करने में व्यर्थ रहा है। कर्मियों ने आगे यह भी लिखा, ऐल्फाबेट के कर्मी एक ऐसे माहौल में काम करने की इच्छा रखते हैं, जो उत्पीड़कों से मुक्त हो। पीड़ितों की चिंता को प्राथमिकता देते हुए कंपनी को उनके कर्मियों की सुरक्षा का ख्याल रखना चाहिए।

रबी फसलों की महज 35 फीसदी कटाई बाकी, सरसों पूरा घर ले गए किसान

नई दिल्ली।

देशभर में तमाम रबी फसलों की 65 फीसदी से ज्यादा कटाई पूरी हो चुकी है और खेतों में कटाई के लिए महज 35 फीसदी फसल बची हुई। गेहूं की कटाई जोरों पर चल रही है जबकि सरसों और ज्वार समेत कुछ फसलों की कटाई पूरी हो चुकी है। वहीं, चना और मसूर की कटाई समाप्त होनेवाली है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को मिले आंकड़ों के अनुसार, देशभर में गेहूं की कटाई 43 फीसदी पूरी हो चुकी है। देश के किसानों ने इस साल रिकॉर्ड 315.77 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती की है जिसमें से 135.85 लाख हेक्टेयर फसल की कटाई पूरी हो चुकी है। वहीं, सभी रबी फसलों का कुल रकबा 696.92 लाख हेक्टेयर है जिसमें से 453.37 लाख हेक्टेयर यानी 65.05 फीसदी रकबे की फसल की कटाई पूरी हो चुकी है बात अगर, रबी सीजन की सबसे प्रमुख तिलहन फसल सरसों की करें तो किसानों ने 100 फीसदी सरसों की फसल की कटाई कर ली है और फसल किसानों के घरों तक पहुंच चुकी हैं। सरसों का रकबा इस साल 68.53 लाख हेक्टेयर है। वहीं, चना का रकबा 107.15 लाख हेक्टेयर है जिसमें से 101.18 लाख हेक्टेयर यानी 94.43 फीसदी फसल की कटाई पूरी हो चुकी है। दलहनों की 93 फीसदी से ज्यादा फसलों की कटाई हो चुकी है जबकि तिलहनों की कटाई करीब 96 फीसदी पूरी हो चुकी है। मोटे अनाजों में ज्वार की कटाई सौ फीसदी पूरी हो चुकी है। कृषि विशेषज्ञ बताते हैं कि कटाई के समय मौसम अनुकूल रहने से रबी फसलों की कटाई तेज हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

टेनिस : मोंटे कार्लो क्वालीफायर में त्रावागलिया के सामने चुनौती पेश करेंगे नागल

मोनाको। भारत के सुमित नागल मोंटे कार्लो रोलेक्स मास्टर्स क्वालीफायर्स टेनिस टूर्नामेंट (राउंड-1) में इटली के स्टेफानो त्रावागलिया के सामने चुनौती पेश करेंगे। इस टूर्नामेंट में स्पेन के राफेल नडाल, सर्बिया के नोवाक जोकोविच, इटली के फैबियो फोगनिनी, रूस के डेनिल मेदवेदेव, ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास और जर्मनी के एलेंक्जांदर ज्वेरेव शामिल होंगे। नागल को हाल ही में इटली के कागलियारी में हुए एटीपी 250 सरदेग्ना ओपन के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था। 136वीं रैंकिंग के नागल को स्लोवाकिया के क्वालीफायर जोजेफ कोवालिक के हाथों 6-3, 1-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा था। नागल के लिए त्रावागलिया से मुकाबला आसान नहीं होगा। त्रावागलिया पिछले साल फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे थे।

आईपीएल 14 : मजबूत सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से

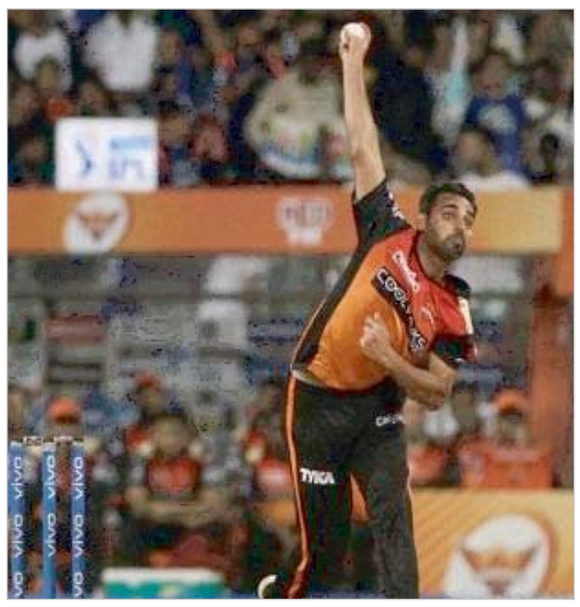

चेन्नई। मजबूत सनराइजर्स हैदराबाद का सामना रविवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में आईपीएल के 14वें सीजन के तीसरे मैच में दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ होगा। हैदराबाद की टीम पिछले सीजन में प्लेऑफ में पहुंची थी। नाइट राइडर्स और हैदराबाद के बीच अबतक 19 मुकाबले हुए हैं जिसमें से हैदराबाद की टीम ने सात जीते हैं जबकि 12 मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि सभी विभागों की बात की जाए तो हैदराबाद की टीम ईयोन मोर्गन की कप्तानी वाली नाइट राइडर्स से ज्यादा मजबूत है। हैदराबाद की टीम में तेज गेंदबाद भुवनेश्वर कुमार की वापसी से उसका गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है जिसमें पहले ही राशिद खान, जेसन होल्डर और टी. नटराजन शामिल हैं। चोट के कारण भुवनेश्वर आईपीएल के पिछले सीजन में नहीं खेल सके थे। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में बेहतर प्रदर्शन किया था। नाइट राइडर्स का बल्लेबाजी आक्रमण पिछले सीजन में संघर्ष करता रहा था और उसके लिए हैदराबाद के तेज और स्निप आक्रमण से पार पाना कड़ी चुनौती होगी। नाइट राइडर्स के विस्फोटक ऑलराउंडर आंद्रे रसेल पिछले सीजन में बल्ले से उम्दा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे थे। नाइट राइडर्स के लिए बल्लेबाजी में मोर्गन, शाकिब अल हसन, शुभमन गिल और रसेल पर दारोमदार होगा जिससे वह हैदराबाद के खिलाफ बड़ा स्कोर खड़ा कर सके। नाइट राइडर्स की गेंदबाजी उसका मजबूत पक्ष है, विशेषकर स्पिन आक्रमण।

सुनील नारायण के अलावा उन्होंने टीम में हरभजन सिंह को भी शामिल किया है जबकि वरूण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और शाकिब भी टीम में हैं। इसके अलावा पैट कमिंस भी गेंदबाजी विभाग में धार देंगे। नाइट राइडर्स को अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रीत करने की जरूरत है।

बाडोसा ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बार्टी को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

चार्ल्सटन (अमेरिका)। स्पेन की पाउला बाडोसा ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एशलीग बार्टी को सीधे सेटों में हराकर वोल्वो कार टेनिस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बाडोसा ने यह मैच 6-4, 6-3 से जीता। उन्होंने पांच बार बार्टी की सर्विस तोड़ी। यह पिछली चार प्रतियोगिताओं में दूसरा अवसर है जबकि बाडोसा अंतिम चार में पहुंची है। उनका सामना अब रूस की 15वीं वरीय वेरोनिका कुदेरमेतोवा से होगा। कुदेरमेतोवा ने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन सलोनी स्टीफन्स को 6-3, 6-4 से पराजित किया। मोंटेग्रो की दांका कोविनिच ने कजाखस्तान की यूलिया पुतिनसेवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद 6-7 (2), 7-5, 6-1 से जीत दर्ज की। वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार किसी डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है जहां उन्हें ट्यूनिशिया की ओंस जाबेर का सामना करना है। जाबेर ने अमेरिका की कोको गॉ को हराया। सेमीफाइनल में पहुंची चारों खिलाड़ी अपने पहले डब्ल्यूटीए खिताब की तलाश में हैं।

भारत की 2 और महिला पहलवानों ने हासिल किया टोक्यो ओलम्पिक का कोटा

नई दिल्ली ।

भारत की दो और महिला पहलवानों अंशु मलिक (57 किग्रा) तथा सोनम मलिक (62 किग्रा) ने कजाकिस्तान के अल्माटी में एशियन ओलम्पिक क्वालीफायर में अपने-अपने वजन वर्गों के फ़ाइनल में पहुंचकर इस साल होने वाले टोक्यो ओलम्पिक के लिए कोटा हासिल कर लिया है। भारत के टोक्यो ओलम्पिक में कुश्ती में कुल वजन वर्गों की संख्या इसके साथ ही 6 पहुंच गई है। इससे पहले तक पुरुष फ्री स्टाइल वर्ग में बजरंग पुनिया (65), रवि दहिया (57)और दीपक पुनिया (86) तथा महिला वर्ग में विनेश फोगाट (53) ने विश्व चैंपियनशिप में अपने पदक जीतने के प्रदर्शन की बदौलत ओलम्पिक कोटा हासिल किया था। अंशु ने 57 किग्रा वर्ग में कोरिया की पहलवान को 10-0 से, दूसरे राउंड में कजाकिस्तान की पहलवान को 10-0से और सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की पहलवान को 12-2 से हराया। अंशु का फ़ाइनल में मंगोलिया की पहलवान से मुकाबला होगा सोनम ने 62 किग्रा वर्ग में पहले राउंड में चीन की पहलवान को 5-2 से, दूसरे राउंड में ताइपे की पहलवान को 11-0 से, सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की पहलवान को 9-6 से हराया तथा फ़ाइनल में अब उनका मुकाबला चीन की पहलवान से होगा।

महिला क्रिकेट : आस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज में किया क्लीन स्वीप

माउंट माउंगानुई। टी-20 की तरह वनडे सीरीज में भी आस्ट्रेलियाई महिलाओं ने न्यूजीलैंड को 3-0 से हरा दिया। शनिवार को वनडे सीरीज का अंतिम मैच यहां के बे ओवल मैदान पर हुआ, जिसमें मेहमान टीम ने 21 रनों से जीत हासिल की। बारिश के कारण हालांकि इस मैच को 25-25 ओवरों तक सीमित कर दिया गया था। कीवी टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। आस्ट्रेलिया ने निर्धारित ओवरों की समाप्ति के बाद 7 विकेट पर 149 रन बनाए। इसमें कप्तान एलिसा हिली के 46 रन शामिल हैं। हिली ने 39 गेंदों का सामना कर छह चौके लगाए। बेथ मूनी ने भी 28 रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड की ओर से लेह कास्पेरेक ने तीन विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी मेजबान टीम 25 ओवरों की समाप्ति तक 9 विकेट पर 128 रन ही बना सकी। उसके लिए

लिया ताहूहू ने 21 और कप्तान एमी सैदरवेट ने 20 रन बनाए। आस्ट्रेलिया की ओर से मेगन स्कट और जार्जिया वारेहम ने दो-दो विकेट लिए। हिली को प्लेअर आफ द मैच चुना गया। इसके साथ आस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया। इससे पहले उसने तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी 3-0 से जीत हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

टॉप्स कार्यक्रम ने भारत को दी ओलंपिक पदक जीतने की उम्मीद : नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शनिवार को खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) द्वारा दिए गए समर्थन को अपने हाल के अच्छे प्रदर्शनों का श्रेय दिया। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नीरज ने कहा कि टॉप्स कार्यक्रम के समर्थन के बिना, महामारी के दौर में एथलीटों के लिए प्रतिस्पर्धा में लौटना मुश्किल होता। चोपड़ा, जो इस महीने के अंत में हमवतन शिवपाल सिंह के साथ तुर्की में एक प्रशिक्षण कार्यकाल के लिए रवाना होंगे, ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि साई और टॉप्स का समर्थन पाकर भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। 23 वर्षीय चोपड़ा ने कहा, उनका (साई और टॉप्स) उपकरण, अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर ट्रिप्स और प्रतियोगिता के दौरान घायल हुए खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता और प्रतियोगिता और प्रशिक्षण में मदद करते हैं। वे हमें अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट देने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। साई ने सुनिश्चित किया कि लॉकडाउन के बाद एथलीटों को जल्द से जल्द प्रशिक्षण मिल सके और यह कि कोविड-अनुरूप प्रोटोकॉल के साथ मैदान और प्रशिक्षण सुविधाओं को तुरंत खोला गया। भाला फेंक में 88.07 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड रखने वाले चोपड़ा ने स्वीकार किया कि लॉकडाउन ने मन और शरीर पर भारी असर डाला, लेकिन पूरे जोश में प्रशिक्षण के साथ, पूरी फिटनेस पर लौटने में देर नहीं लगेगी।

फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप टूर्नामेंट की निदेशक रोमा खन्ना ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । रोमा खन्ना शनिवार को निजी कारणों का हवाला देते हुए भारत में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप और एएफसी महिला एशिया कप के टूर्नामेंट निदेशक पद से हट गईं। रोमा ने 2019 में अंडर-17 विश्व कप की बोली लगाने की प्रक्रिया की अगुआई की थी और बाद में उन्हें स्थानीय आयोजन समिति का टूर्नामेंट निदेशक नियुक्त किया गया था। उन्होंने अगले साल जनवरी में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप की बोली लगाने की प्रक्रिया में भी सफल अगुआई की थी। रोमा ने कहा- मैं एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल संघ) और फीफा (अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संस्था) का मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए शुक्रिया करना चाहूंगी। उन्होंने कहा- भारत में टूर्नामेंट की अगुआई करना सम्मानजनक रहा। मुझे स्थानीय आयोजन समिति द्वारा किए गए काम पर गर्व है और मैं टीम की शुक्रगुजार हूं, जो भारत में महिला फुटबॉल को बढ़ाने के प्रति समान दृष्टिकोण रखती है। उन्होंने कहा- भारत में 2022 फुटबॉल और महिला खेलों के लिए बड़ा वर्ष होगा और मैं भारतीय महिला टीमों की चीयर करने के लिए बेकरार हूं। एआईएफएफ के महासचिव कुशल दास ने कहा कि रोमा ने भारतीय फुटबॉल की प्रगति

के लिए काफी योगदान किया है। उन्होंने कहा- रोमा अब करीब 10 वर्षों से एआईएफएफ से जुड़ी हुई हैं और उन्होंने देश में फुटबॉल की प्रगति की ओर काफी काम किया है। भारत को फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी 2020 में दो से 21 नवंबर तक करनी थी लेकिन इसे कोविड-19 महामारी के कारण रद्द कर दिया गया जिससे फीफा ने 2022 में अगले चरण की मेजबानी की जिम्मेदारी सौंपने की घोषणा की। एआईएफएफ फीफा के साथ मिलकर नया टूर्नामेंट निदेशक नियुक्त करेगा।

खेल मंत्री ने श्रीनगर में रोइंग सेंटर का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को श्रीनगर में रोइंग का खेलो इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। डल झील में स्थित प्रशिक्षण केंद्र, जो जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल के अंतर्गत आता है, को आधुनिक सुविधाओं और उपकरणों के साथ अपग्रेड किया गया था, जिसमें 16 नई नावें भी शामिल थीं। इनमें से प्रत्येक नाव में सिंगल स्कल्स और डबल स्कल्स थे। योजना के तहत 50 नियमित एथलीटों वाले केंद्र के लिए चार कॉक्सलेस चार नावें भी खरीदी गई हैं। खेल मंत्री ने कहा, इस क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। प्रशिक्षण केंद्र इस क्षेत्र के युवाओं को वॉटर स्पोर्ट्स के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मौका देगा। इस साल की शुरूआत में, खेल मंत्रालय ने कश्मीर घाटी में गुलमर्ग में खेले इंडिया विंटर गेम्स का आयोजन किया था। मंत्री ने आगे कहा, खेल मंत्रालय ने खेलो इंडिया महिला फुटबॉल लीग और पहलगाम में मैराथन दौड़ शुरू करने की भी योजना बनाई है। मंत्रालय शुरू में रोइंग सेंटर को 145.16 लाख रुपये का एकमुश्त अनुदान और इस क्षेत्र में वॉटर स्पोर्ट्स के विकास के लिए 96.17 लाख रुपये का वार्षिक आवर्ती अनुदान प्रदान करेगा।

डीविलियर्स किसी भी पिच पर बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं : कोहली

चेन्नई। रॉयल चैलेंजर बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने टीम के बल्लेबाज एबी डीविलियर्स की सराहना करते हुए कहा है कि वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी होने के कारण किसी भी पिच पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। डीविलियर्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल के पहले मुकाबले में 27 गेंदों पर 48 रन बनाए थे और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। कोहली ने कहा, डीविलियर्स के होने से विपक्षी टीम बैचेन हो जाती है। हमारा बल्लेबाजी क्रम मजबूत है जिसका हम इस्तेमाल करना चाहते हैं। डीविलियर्स टीम के ऐसे खिलाड़ी है जिनमें बहुमुखी प्रतिभा है और उन्होंने धीमे विकेट पर प्रदर्शन करके दिखाया जो कई खिलाड़ी नहीं कर सकते हैं। कोहली ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान डीविलियर्स से बात की थी और उन्होंने कोहली को गेंद को करीब से देखने की सलाह दी थी।

अगस्ता मास्टर्स - जस्टिन रोज ने दूसरे राऊंड में हासिल की लीड

नई दिल्ली = गोल्फ के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक अगस्ता मास्टर्स में इंगलैंड के जस्टिन रोज ने दूसरे दौर में भी लीड बरकरार रखी है। रोज ने पहले राऊंड में 65 का स्कोर बनाया था लेकिन दूसरे राऊंड में वह 72 का कार्ड ही खेल पाए। उनके कुल 137 अंक है और वह दूसरे नंबर पर चल रहे विल जलटोरिस से एक शॉट की लीड हासिल कर चुके हैं। जस्टिन ने दूसरे राऊंड में 4 बर्डी लगाई जबकि 4 बोगी भी उन्हें खानी पड़ी।

हर्षल को अच्छी तरह पता है फ्रेंचाइजी को उनसे क्या चाहिए : कोहली

चेन्नई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान विराट कोहली ने गेंदबाज हर्षल पटेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तेज गेंदबाज की सोच में स्पष्टता है और उन्हें अच्छी तरह पता है कि फ्रेंचाइजी ने उन्हें अपने साथ क्यों जोड़ा है और वह बिल्कुल वही देने की कोशिश कर रहे हैं। मुम्बई इंडियंस के साथ शुक्रवार को हुए मैच के बाद कोहली ने कहा, हमने दिल्ली से ट्रेड में हर्षल को हासिल किया। वह जिम्मेदारी को फिर से स्वीकार कर रहा है और अपनी योजनाओं के साथ स्पष्ट है। आज उन्होंने अंतर पैदा किया। वह हमारे डेथ ओवर गेंदबाज बनने जा रहे हैं। एक कप्तान के रूप में आप स्पष्टता वाले खिलाड़ी चाहते हैं, और उसके पास वह है। हर्षल ने इस मैच में 27 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। अंतिम ओवर में हर्षल ने तीन विकेट हासिल किए। इस ओवर में मुम्बई के चार विकेट गिरे। एक रन आउट था। कोहली ने अपने अन्य गेंदबाजों - मोहम्मद सिराज और काइल जैमीसन की भी सराहना की। दोनों ने इकोनॉमी रेट को काफी अच्छा रखा और बल्लेबाजों को गेंदबाजी बनाने का मौका नहीं दिया। जैमीसन ने अच्छी शुरूआत की। युजी (युजवेंद्र चहल) भी अच्छा था। सिराज भी अच्छा था। 29 गेंदों में 33 रन बनाने वाले आरसीबी के कप्तान ने कहा कि टूर्नामेंट में ओपनर के रूप में एमआई का सामना करना महत्वपूर्ण था क्योंकि टीम ने उन्हें उन विकल्पों के बारे में बताया जो उनके पास थे। कोहली ने कहा, प्रतियोगिता में सबसे मजबूत पक्ष के खिलाफ खेलते हुए हमारी टीम का टेस्महत्वपूर्ण था। हर कोई इस खेल में शामिल था, और जब आप दो विकेट से जीतते हैं, तो इसका मतलब है कि हर किसी ने योगदान दिया है। मेरे लिए बहुत सारे विकल्प हैं।

जापानी महिला टीम एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप से हटी

अलमाटी। अल्माटी में जारी एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के आयोजकों को उस समय भारी झटका लगा जब जापानी महिला टीम, जिसमें ओलंपिक चैंपियन रिसाको कवाई और सारा डोशो शामिल हैं, ने एक कोरोना पॉजिटिव के साथ संदिग्ध संपर्क के कारण अचानक इस आयोजन से हटने का फैसला किया। जापान रेसलिंग फेडरेशन ने कहा कि उसे डर है कि कुछ और खिलाड़ी पॉजिटिव खिलाड़ियों के सम्पर्क में आ सकती हैं और इसी कारण उसने अपनी टीम को आयोजन से हटने का निर्देश किया है। यह निर्णय अंतिम समय पर किया गया था क्योंकि 13 अप्रैल से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए महिला टीम को पुरुषों की फ्रीस्टाइल टीम के साथ ही इस्तांबुल के रास्ते अलमाटी के लिए उड़ान भरना था। हालांकि, किसी भी सदस्य का अपने निर्धारित प्रस्थान से एक दिन पहले किए गए टेस्ट का रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आया लेकनि बावजूद इसके जापानी महासंघ किसी अन्य खतरे से बचने के लिए महिला टीम को टूर्नामेंट से हटने का निर्देश दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिये खोला खजाना, सपा से ज्यादा लाभ देने का दावा

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने दावा किया है कि चार साल के कार्यकाल में जितना लाभ अल्पसंख्यकों को मिला है, उतना सपा सरकार के पांच साल या पिछली किसी और सरकार के कार्यकाल में नहीं मिला था। योगी सरकार ने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं के अलावा अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण के लिए कमजोर वर्गों को पिछली सरकारों से 68,402 करोड़ ज्यादा धनराशि दी है, ताकि वह भी समाज की मुख्य धारा से जुड़कर जीवन यापन कर सकें। मुख्यमंत्री योगी अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की लगातार समीक्षा करते हैं। इसीलिए उन्होंने अपने बजट में हर साल अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए हजारों करोड़ रुपए दिए हैं। उन्होंने हाल ही में विधान परिषद में बजट पर चर्चा के दौरान कहा था कि प्रदेश में अल्पसंख्यकों की आबादी 17 से 19 फीसदी है और अल्पसंख्यक समाज को योजनाओं का लाभ 30 से 35 फीसदी मिल रहा है। उन्होंने अपनी सरकार की विभिन्न योजनाओं को गिनाते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री आवास, सौभाग्य, उज्जवला, खाद्यान्न योजना, आयुष्मान भारत या मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना सहित किसी भी योजना में आप जाएंगे, तो आप पाएंगे, आबादी के हिसाब से देखेंगे, तो अल्पसंख्यक समाज को उससे कई गुना ज्यादा लाभ मिल रहा है। प्रदेश में 21 जिले बदायूं, बागपत, बहराइच, बलरामपुर, बाराबंकी, बरेली, बिजनौर, बुलन्दशहर, गाजियाबाद, अमरोहा, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, शाहजहांपुर, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर अल्पसंख्यक बाहुल्य के रूप में चिह्नित हैं। इन जिलों में वित्त वर्ष 2020-21 में दिसंबर तक अल्पसंख्यक समुदाय के 12,26,499 लोगों को 21,406.04 करोड़ दिए गए हैं, जो कुल प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के तहत दिए गए लोन का क्रमशः 12.015 (खाते) और 14.44 फीसदी (धनराशि) है। जबकि पूरे प्रदेश में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के तहत एक करोड़ 57 लाख 59 हजार 712 कमजोर वर्गों को कुल 369270 करोड़ दिए गए हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण की योजनाओं को प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम में भी शामिल किया गया है। इन समुदायों को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के तहत कमजोर वर्गों के लिए अलग-अलग श्रेणी में लोन देने के लिए वर्गीकृत किया गया है। साथ ही इन्हें प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के तहत कुल लोन का 15 प्रतिशत तक देने के निर्देश हैं।

आंध्र के उद्योग मंत्री का ट्विटर अकाउंट हैक

अमरावती। आंध्र प्रदेश के उद्योग मंत्री मेकापति गौतम रेड्डी ने शनिवार को कहा कि उनके ट्विटर अकाउंट से छेड़छाड़ की गई है और असंबंधित संदेश पोस्ट किए जा रहे हैं। रेड्डी ने कहा, व्यूअर और फोलोवर्स कृपया ध्यान दें कि मेरे आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से कुछ असामाजिक तत्वों ने छेड़छाड़ की है और वे असंबंधित और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट कर रहे हैं। उन्होंने आम जनता से माफी मांगी और उनसे कहा कि उनके हैक किए गए अकाउंट से किए जा रहे फर्जी ट्वीट को नजरअंदाज करें। मंत्री ने कहा, कृपया उन्हें अनदेखा करें और असुविधा के लिए क्षमा करें। इस बीच, वह इस साइबर अपराध पर पुलिस विभाग के साथ शिकायत दर्ज करने की तैयारी कर रहे हैं। रेड्डी इस सोशल मीडिया अकाउंट का उपयोग कई आधिकारिक संदेश देने के लिए भी करते थे।

स्टालिन ने आईपीएबी समाप्त करने की निंदा की

चेन्नई। दविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने शनिवार को यहां स्थित बौद्धिक संपदा अपीलीय बोर्ड (आईपीएबी) को समाप्त करने के केंद्र सरकार के फैसले की निंदा की। यहां जारी एक बयान में, स्टालिन ने कहा कि केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का गठन करना चाहिए, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार मौजूदा संगठनों को बंद कर रही है या बेच रही है। उन्होंने कहा कि अपीलीय बोर्ड न्यायालयों पर भार कम करते हैं और शीघ्र न्याय भी प्रदान करते हैं। आईपीएबी कॉर्पोरेट्स के बीच बौद्धिक संपदा विवादों और भौगोलिक संकेत पर निर्णय लेने के लिए भी काम करता है। स्टालिन के अनुसार, भाजपा सरकार का निर्णय तमिलनाडु के लिए अन्याय है।

ईसी ने दक्षिणी असम के 4 मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान का आदेश दिया

गुवाहाटी। चुनाव आयोग (ईसी) ने शनिवार को दक्षिणी असम के तीन विधानसभा क्षेत्रों के चार मतदान केंद्रों पर फिर से मतदान करने का आदेश दिया है, जहां एक अप्रैल को दूसरे चरण के अंतर्गत मतदान हुए थे। चुनाव आयोग के सचिव अजय कुमार वर्मा ने असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नितिन खाडे को लिखे पत्र में कहा कि सभी रिपोर्ट और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए, चुनाव आयोग ने 20 अप्रैल को चार मतदान केंद्रों में फिर से मतदान करने का आदेश दिया है। चुनाव आयोग के आदेश का हवाला देते हुए, चुनाव अधिकारियों ने कहा कि रतबारी (एससी) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत इंदिरा एम.वी. स्कूल (दाएं), सोनई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मध्य ढेंचरी लोअर प्राइमरी स्कूल, हलफलांग (एसटी) विधानसभा सीट के तहत, खोथलीर लोअर प्राइमरी स्कूल और मुआलदाम लोअर प्राइमरी स्कूल में दोबारा चुनाव होंगे। सोनई क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार अमीनुल हक लश्कर से दो बार पूछताछ की गई, जबकि उनसे जुड़े पांच पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया। पुलिसकर्मियों दूसरे चरण के मतदान के दौरान 1 अप्रैल को जनता पर कथित रूप से गोलियां चलाईं थी। कछार के उपायुक्त (डीसी) कीर्ति जल्ली ने घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। जिला विकास आयुक्त बी.सी. दास को जांच करने और इस संबंध में एक रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है। लश्कर ने हालांकि, मीडिया को बताया कि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के बीच झड़प के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने अपनी जान बचाने के लिए गोली चलाई। विपक्षी दलों ने उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। असम के दीमा हसाओ जिले में कम से कम छह मतदान कर्मियों को निलंबित कर दिया गया, क्योंकि यह पाया गया कि 1 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के दौरान 90 वैध मतदाताओं ने खोथलीर लोअर प्राइमरी स्कूल में 180 वोट रजिस्टर किए थे।

अंबेडकर जयंती के बहाने वोटों का गणित साधने में लगे राजनीतिक दल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चल रहे पंचायत चुनाव में राजनीतिक दलों की बाढ़ से वोटों का समीकरण गड़बड़ा रहा है। इस दौरान महापुरूषों की जयंती जैसे आयोजनों के जरिए भी वोटों का समीकरण ठीक करने के प्रयास हो रहे हैं। 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती भी ऐसा अवसर है। जब सभी दल एक स्वर में दलित वोटों को अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर जयन्ती की पूर्व सन्ध्या पर 13 अप्रैल को दीपोत्सव कार्यक्रम के तहत बाबा साहब की प्रतिमाओं पर दीप जलाएंगे। वहीं 14 अप्रैल को सभी बूथों पर पार्टी के पदाधिकारी, प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, आयोगों-निगमों के अध्यक्ष व सदस्य सहित जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके नमन करेंगे। शुक्ल ने बताया कि इस दौरान पार्टी सेवा बस्तियों में पहुंचकर विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से डॉ. आम्बेडकर को कृतज्ञ श्रद्धासुमन अर्पित करेगी। इसके अलावा समाजवादी पार्टी भी 14 अप्रैल को दलित दीवाली मनाने का एलान कर चुकी है। पार्टी कार्यकर्ता कार्यालय व अपने घरों व सार्वजानिक स्थलों पर दीप जलाकर बाबा साहब को श्रद्धा के साथ नमन करने का एलान किया है। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने एलान किया है कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को सक्रिय कर असमानता-अन्याय को दूर करने व सामाजिक न्याय के समतामूलक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, हम उनकी जयंती पर जिला, प्रदेश व देश के स्तर पर सपा की बाबा साहेब वाहिनी के गठन का संकल्प लेते हैं। बसपा मंडल स्तर पर कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए बाबा साहब को अपनी श्रद्धांजलि देंगे। बसपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि इस दौरान देश एक महामारी के दौर से गुजर रहा है। इस कारण पार्टी ने तय किया है कि कार्यकर्ता पिछली बार की तरह इस बार भी घरो पर ही बाबा साहब को अपनी श्रद्धाजलि देंगे।

त्रिपुरा आदिवासी परिषद चुनाव में भाजपा को बड़ा झटका, टीआईपीआरए जीत की राह पर

अगरतला। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित त्रिपुरा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण राजनीतिक विकास देखने को मिल रहा है। त्रिपुरा स्वायत्त जिला परिषद के चुनावों में एक नवगठित आदिवासी आधारित पार्टी टीआईपीआरए मोथा (द इंडीजेनस प्रोग्रेसिव रीजनल एलायंस) सत्ता पर काबिज होने की राह पर है। भाजपा के लिए त्रिपुरा में त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्रों स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के चुनावों में यह बड़ा झटका है। यह परिणाम चौंकाने वाला है, क्योंकि यहां भगवा पार्टी इंडिजीनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के साथ गठबंधन में शासन कर रही है। यहां भाजपा ने 25 साल बाद सीपीआई-एम के नेतृत्व वाले वाम दलों को हराने के बाद 2018 में त्रिपुरा में सत्ता हासिल की थी। 28 सदस्यीय टीटीएएडीसी के रुझानों और परिणामों के अनुसार, जिसके लिए 6 अप्रैल को महत्वपूर्ण चुनाव हुए थे, टीआईपीआरए मोथा 19 सीटों पर जीत दर्ज करती दिख रही है। इन 19 सीटों पर यह आगे चल रही है। इसके अलावा भाजपा के खाते में महज छह सीटें आती दिख रही हैं, जबकि दो सीटों पर उसके कनिष्ठ सहयोगी आईपीएफटी और शेष एक सीट पर एक स्थानीय पार्टी की जीत होने की उम्मीद है। शनिवार को त्रिपुरा में 16 उप-मंडल मुख्यालयों पर वोटों की गिनती चल रही है। विभिन्न स्थानीय आदिवासी आधारित दलों, नेताओं और अन्य दलों के सदस्यों के साथ तालमेल करते हुए, त्रिपुरा के शाही नेता प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मन की अध्यक्षता में टीआईपीआरए मोथा का गठन कुछ महीने पहले ही किया गया था और इसने सभी 28 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जबकि भाजपा-आईपीएफटी गठबंधन ने भी सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे। बता दें कि टीआईपीआरए की अगुवाई करने वाले त्रिपुरा शाही प्रद्योत माणिक्य देब बर्मन ने सितंबर में कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख के रूप में इस्तीफा दे दिया था। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी -मार्क्सवादी (माकपा) ने वाम मोर्चे का नेतृत्व किया और कांग्रेस और अन्य दलों ने भी 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे।

यूपी सरकार ने जेलों की बदली सूरत, ड्रोन कैमरे से लेकर मेटल डिटेक्टर से हो रही निगरानी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में जेलों की सूरत बदलनी का सिलसिला लगातार जारी है। राज्य में जिला कारागार लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, आजमगढ, चित्रकूट और बरेली को हाईटेक करते हुए सरकार ने अपराधियों को सुरक्षित निगरानी में रखने के लिए कारागारों को आधुनिक सुविधाओं के साथ लैस कर दिया है। ड्रोन कैमरे से लेकर डीप सर्च मेटल डिटेक्टर तक की व्यवस्था इन कारागारों में की गई है। इन पांच जिला कारागारों में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर इन्हें बेहतर बना दिया गया है। इसके तहत जेलों की मुख्य प्राचीर की मेनवॉल पर कन्सरटीना फैन्सिंग कराई गई है। हर कारागार में एक-एक अदद् नॉन लिनियर जंक्शन डिटेक्टर ,एनएलजेडी और पांच ड्रोन कैमरा लगाए गए हैं। यही नहीं, पांच नाइट विजन बाइनाकुलर, 25 हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर भी लगाए गए हैं। इन उपकरणों को हाईवोल्टेज से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए हैवी ड्यूटी स्टैब्लाइजर रखा गया है, ताकि इन उपकरणों को कोई नुकसान न हो सके। जिला कारागार लखनऊ में 48 अतिरिक्त उच्च मेगापिक्सल के सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सीसीटीवी सर्विलांस इकाइयों की बात करें, तो प्रदेश के सभी कारागारों में सीसीटीवी सर्विलांस इकाइयां स्थापित की गई हैं। साथ ही प्रदेश के सभी कारागारों में 30-30 कैमरे लगे हैं। वर्तमान की बात करें तो 55 कारागारों में 04/05 मेगा पिक्सल के 220 अतिरिक्त कैमरे लगे हैं। सभी कारागारों में 3080 कैमरे स्थापित हैं। इन कैमरों की फीड मुख्यालय वीडियो वॉल/कमाण्ड सेण्टर में देखने की व्यवस्था है। यानि राजधानी से सूबे के सभी कारागारों की लाइव फीड मुख्यालय में सीधे देखी जा सकती है। यही नहीं, बंदियों की निगरानी के लिए अत्याधुनिक पोल मेटल डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया है। जिसके तहत प्रदेश के सभी कारागारों में एफजी-1 मेटल पोल डिटेक्शन सिस्टम स्थापित किया गया है। सभी कारागारों में एक-एक मल्टीजोन डोरफ्रेम और 3-5 की संख्या में हैण्डहेल्ड मेटल डिटेक्टर भी स्थापित कर दिए गए हैं। महानिरीक्षक कारागार आनंद कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार ने सभी कारागारों में आन्तरिक संचार व्यवस्था के लिए इंटरकाम प्रणाली की व्यवस्था की है। बंदियों को एक साथ संबोधित किया जा सके, इसके लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था की गई है। मल्टी मीडिया प्रोजेक्टर के साथ-साथ गुड प्रिजन प्रैक्टिस के प्रचार प्रसार और फोटोग्राफी के लिए सभी कारागारों को डिजिटल कैमरे दिए गए हैं। अब कारागारों में बंदियों के मनोरंजन के लिए एलईडी टेलीविजन के साथ-साथ ठंड में गीजर की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उत्तर प्रदेश सुरक्षा मुख्यालय के माध्यम से कारागारों में विभिन्न स्थानों पर जमीन के नीचे, नालियों, टेरिस और अन्य स्थानों पर छिपाई गई बड़ी या छोटी से छोटी धात्विक सामग्री की विश्वसनीय तलाशी के लिए डीप सर्च मेटल डिटेक्टर की सुविधा दी गई है। प्रदेश की सभी कारागारों में दो या एक की संख्या में और प्रशिक्षण उपयोग के लिए डॉ. सम्पूर्णानन्द कारागार प्रशिक्षण संस्थान में कुल 121 डीप सर्च मेटल की व्यवस्था की गई है। कारागारों के अंदर संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हैण्डहैल्ड और स्टैटिक वायरलेस सेट स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में प्रदेश की सभी कारागारों में कम से कम 10 हैण्डहेल्ड और एक स्टैटिक सेट के साथ-साथ बड़े कारागारो में 20 हैंडसेट और 01 स्टैटिक सेट स्थापित हैं। जेलों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने की वजह से ही विचाराधीन बंदियों की रिमांड के लिए प्रदेश की कारागारों और जनपद न्यायालयों में वीडियो कांफ्रेंसिंग इकाइयों की व्यवस्था कराई गई है।

सरकार आंदोलनकारी किसान संगठनों से बातचीत के लिए तैयार : कृषि मंत्री

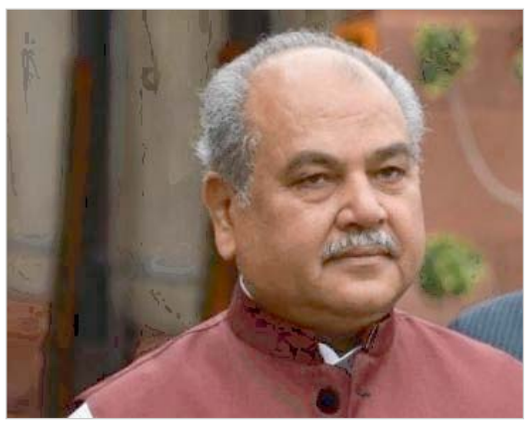

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने फिर कहा है कि सरकार आंदोलनकारी किसान संगठनों से बातचीत के लिए तैयार है। कृषि मंत्री का यह बयान शनिवार को तब आया जब केंद्रीय कृषि कानून के खिलाफ किसानों ने केएमपी हाइवे को अगले 24 घंटे के लिए बंद कर दिया।किसान आंदोलन से लोगों को हो रही कठिनाई पर चिंता जाहिर करते हुए केंद्रीय मंत्री तोमर ने किसान यूनियनों से आंदोलन की राह छोड़ वार्ता के लिए आने की अपील की है। हालांकि उनका यह भी कहना है कि नये कृषि कानूनों का देशभर में स्वागत हो रहा है और देशभर के किसानों नये कृषि सुधार को लेकर कोई असंतोष नहीं है। उन्होंने एक बयान में कहा, देश के हजारों किसान संगठन, अर्थशास्त्री और समाज के विभिन्न वर्ग कृषि सुधार बिलों का स्वागत कर रहे हैं।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ ही लोग नये कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं, फिर भी सरकार ने आंदोलनकारी किसान संगठनों के साथ 11 दौर की वार्ता की ताकि किसानों की अगर कोई समस्या है तो उसका समाधान हो। उन्होंने कहा कि किसान यूनियनों के साथ बातचीत के दौरान जो मसले समाने आए उनके समाधान के लिए सरकार ने उन्हें प्रस्ताव भी दिया, लेकिन उन प्रस्तावों को नकारने के लिए सरकार ने एक समिति बनाकर न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत तमाम मसलों पर विचार करने का प्रस्ताव देते हुए कहा कि इस विचार-विमर्श के दौरान 18 महीने तक नये कानूनों के अमल पर रोक लगी रहेगी।केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा दिए गए इस प्रस्ताव की सराहना पूरे देश में हुई लेकिन आंदोलनकारी किसान यूनियनों ने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अस्वीकार करने का यूनियनों ने कोई कारण भी नहीं बताया। सरकार के साथ बातचीत का दौर जारी रहने के बीच आंदोलन चलाने के औचित्य पर सवाल उठाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आंदोलन तब चलाया जाता है जब आंदोलनकारी की मांग पर सरकार चर्चा करने को तैयार न हों, लेकिन सरकार ने खुले मन से 11 दौर की वार्ता की और किसान संगठन आदोलन को स्थगित कर जब भी आएं सरकार उनके मसलों पर विचार करने और उनका समाधान करने के लिए तैयार है। केंद्र सरकार द्वारा पिछले साल लाए गए तीन कृषि कानूनों के विरोध में देश की राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर पिछले साल 26 नवंबर से आंदोलन चला रहे किसान संगठनों का संघ संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को सुबह आठ बजे केएमपी हाइवे को अगले 24 घंटे के लिए बंद कर दिया।

बिहार में बाहर से आने वाले लोगों को मिलेगा काम, सरकार ने शुरू की कवायद

पटना।

देश भर में कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर बाहर से बड़ी संख्या में लोगों के बिहार लौटने की फिर से संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सरकार अपने स्तर से उनके रोजगार को लेकर भी तैयारी में जुटी है। प्रशासनिक स्तर पर इसके लिए तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी विभागों से लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि बाहर से आने वाले इच्छुक लोगों को मनरेगा के तहत काम उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले साल कोरोना काल में मनरेगा के तहत 22 करोड कार्य दिवस सृजित किए थे। इधर, राज्य में ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, पथ निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, भवन निर्माण विभाग सहित ऐसे अन्य विभागों को रोजगार के अधिक-से-अधिक अवसर का इंतजाम करने के निर्देश दिए गए है। कहा गया है कि जैसे-जैसे लोग यहां आएंगें, उन्हें जरूरत या उनके स्किल के मुताबिक रोजगार मुहैया करा दिया जाए। संभावना व्यक्त की जा रही है कि बाहर से आने वाले लोग इस बार लंबे समय तक बिहार में रह सकते हैं। मंत्री श्रवण कुमार कहते हैं कि काम के अभाव में किसी गरीब को राज्य के बाहर जाने की मजबूरी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए राशि की भी कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आने वाले लोगों को उनके स्किल के आधार पर भी रोजगार मुहैया कराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष के अनुभव इस बार काफी काम आएंगें और उस आधार पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की सरकार द्वारा तैयारी की जा रही है।

उपचुनावों के 8 दिन पहले, राजस्थान के ग्रामीणों ने शराब की दुकान को बंद कर दिया

जयपुर।

हालांकि राजसमंद 17 अप्रैल को उपचुनाव होंगे, लेकिन यहां के थानेटा में ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह 8 बजे से 5 बजे तक अलग-अलग कारणों से निर्धारित उपचुनावों से पहले अपने वोट डाले। हालांकि, यहां मतदान राजनीतिक नेताओं को चुनने के लिए नहीं, बल्कि गांव में शराब की दुकान बंद करने के लिए किया गया था।

ग्रामीण अपने प्रयास में सफल रहे क्योंकि उन्होंने शराब की दुकान को बंद करने के पक्ष में एकजुट होकर मतदान किया।जानकारी के अनुसार, ग्रामीण हाल ही में गांव में शराब की दुकान खोलने से नाखुश थे और इसका विरोध कर रहे थे। हालांकि जब दुकान का संचालन जारी रहा, तो ग्रामीणों ने चौपाल बुलाई और इस दुकान के खुलने के खिलाफ मतदान करने का फैसला किया।नियम के अनुसार, यह तय किया गया था कि अगर इसके खिलाफ 51 फीसदी से अधिक वोट पड़े तो शराब की दुकान बंद कर दी जाएगी। कुल 95.62 प्रतिशत ग्रामीणों ने शराब की दुकान के खिलाफ मतदान किया।

ग्रामीणों ने वास्तव में कांग्रेस और भाजपा दोनों के नेताओं से दुकान बंद करने का अनुरोध किया था क्योंकि वे उपचुनावों के प्रचार के लिए गांव आते रहे हैं। हालांकि, उन्हें आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला।

इसलिए उप-चुनाव से आठ दिन पहले शुक्रवार को मतदान हुआ और शराब की दुकान बंद करने की मांग करते हुए 95.62 प्रतिशत वोट डाले गए। मतदान सुबह 8 बजे शुरू हुआ और शाम 5 बजे तक जारी रहा। कुल 3244 वोटों में से 2307 वोट पड़े।

कुल 95.62 प्रतिशत यानी 2206 ने दुकान बंद करने के लिए मतदान किया, जबकि इसके निरंतर संचालन के पक्ष में केवल 61 वोट पड़े। वास्तव में, यह तीसरी बार है जब इस जिले के लोग शराब की लत की समस्या का हल खोजने निकले हैं।2016 में, इस जिले की कछबलि पंचायत में मतदान के बाद एक शराब की दुकान बंद कर दी गई थी।

2018 में भी मंडावर में मतदान के बाद एक शराब की दुकान को बंद कर दिया गया था और अब यह तीसरी बार है जब ग्रामीणों ने मतदान करके शराब की दुकान को बंद करने के लिए मजबूर किया।

बिहार भाजपा अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को लिखा पत्र, कहा, इंस्पेक्टर की हत्या में दोषी को मिले सजा

पटना।

पश्चिम बंगाल के पांजीपाड़ा गांव में छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर हमला और बिहार पुलिस निरीक्षक अश्विनी कुमार की हत्या का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। बिहार भाजपा के अध्यक्ष और सांसद संजय जायसवाल ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनकड को एक पत्र लिखकर कहा कि इस मामले में दोषियों की गिरफ्तारी हो और सजा मिले, जिससे कानून का राज कायम रहे। भाजपा अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा है कि किशनगंज सदर थाना के कर्तव्यनिष्ठ थाना प्रभारी अश्विनी कुमार सीमावर्ती गांव पांजीपाड़ा में अपने टीम के साथ छापेमारी करने गए थे। इसी बीच अपराधियों के शागिर्द ने इनपर हमला कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी शहीद हो गए। उन्होंने कहा, स्थानीय बंगाल पुलिस पूरी तरह से गैरजिम्मेवार और मूकदर्शक बनी रही, जो उनकी संलिप्तता का भी परिचायक है। यह घटना मानवीय मूल्यों के दृष्टि से हृदयविदारक तो है ही साथ-साथ कानूनी दृष्टि से बेहद संगीन है। पत्र में आगे कहा गया, यह घटना पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति का द्योतक है कि वहां कानून किस प्रकार एक विशेष समुदाय के प्रति लाचार हो चुका है। यह असमान्य स्थिति वहां के सत्ता प्रतिष्ठान में बैठे लोगों द्वारा इस समुदाय को वोटबैंक की दृष्टि से देखने के कारण बनी है। पत्र के माध्यम से जायसवाल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि वे घटना में सभी अभियुक्तों पर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल अभियुक्तों गिरफ्तारी हो और उन्हें सजा मिले, क्योंकि यह जरूरी है कि कानून का राज कायम रहे। किशनगंज नगर थाना प्रभारी अश्विनी कुमार अपनी टीम के साथ एक बाइक चोरी के मामले में शुक्रवार की रात पश्चिम बंगाल के पांजीपाड़ा गांव में अपनी टीम के साथ छापेमारी करने गए थे कि गांव वालों ने टीम को घेर लिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सभी शिशु रोते है, यह बिलकुल सामान्य बात है। अधिकांश शिशु प्रत्येक दिन कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक के समय के लिए रोते हैं। आपका नन्हा सा शिशु अपने आप खुद कुछ नहीं कर सकता है और वह आप पर अपनी हर जरुरत के लिए निर्भर करता है-चाहे वह भूखा है, आराम चाहता है या फिर प्यार और दुलार। आपका शिशु रो कर ही आपको यह बता सकता है की उसे किसी चीज की जरुरत है।

जानें आखिर क्यों इतना रोता है आपका बच्चा और उसे संभालने के उपाय

आपके लिए कई बार यह पता चलाना मुश्किल हो जाता है की आखिर शिशु रो क्यों रहा है। लेकिन समय के साथ आप पहचानने लगेंगी और समझने लगेंगी की आपके शिशु के रोने का कारण क्या है। और जैसे जैसे आपका शिशु बढ़ता है वह आप के साथ बात चीत करने के अन्य तरीके सीख लेता है जैसे की आंखों का समपर्क, शोर मचाना या फिर मुस्कुराते हुए आपका ध्यान अपनी तरफ खींचना। अगर आपका शिशु रो रहा है और चुप नहीं हो रहा है तो हो सकता है वह आपसे से यह कहने की कोशिश कर रहा है..."

मुझे भूख लग रही है

भूख किसी नवजात शिशु के रोने का सबसे बड़ा कारण है। किसी बच्चे का छोटा सा पेट बहुत कुछ भंडार में नहीं रख सकता। इसीलिए अगर आपकी संतान रोती है, तो उसे दूध पिलाने की कोशिश करें, क्योंकि वह भूखी हो सकती है।

मेरी नैपी (कलोट) बदलो

कुछ शिशु अपनी नैपी बदलने की जरूरत पर बहुत ध्यान नहीं देते लेकिन कई दूसरे तुरंत ही चीख कर आपका ध्यान अपनी ओर खींचेंगे। खासकर तब, अगर उनकी कोमल त्वचा में खुजली या खुश्की हो। यह भी देखें कि कहीं नैपी बहुत कस कर तो नहीं बंधी है, या उसके कपड़े तो उसको परेशान नहीं कर रहे हैं।

मुझे अधिक गर्म या अधिक ठंड लग रही है

जांच करें कि आपका शिशु अपने बिस्तर में कहीं बहुत अधिक गर्म या ठंडा तो नहीं महसूस कर रहा। इसे आप उसके पेट को छूकर पता कर सकते हैं (उसके हाथ या पैर से पता नहीं लगेगा, वे सामान्य तौर पर ठंडे होते हैं)। अगर उसका शरीर अधिक गरम है, तो एक कंबल हटा दें। अगर वह ठंडा है तो एक और उढ़ा दें। मौसम के अनुसार कमरे का तापमान 22 और 25 डिग्री सेल्सियस के बीच में रखें।

मुझे गोद में ले लो

कई बार आपका शिशु केवल दुलार चाहता है। चिंता न करें, अगर आप अपने शिशु को शुरुआती कुछ महीनों में अधिक समय तक उठा भी लेंगे, तो वह बिगड़ नहीं जायेगा। छोटे बच्चों को शारीरिक आराम और आश्वासन की बहुत जरूरत है। यदि आप अपने बच्चे को सीने से लगा के रखेंगे तो उसे आपकी दिल की धड़कन सुनकर दिलासा मिलेगा आप शिशु को एक बेबी स्लिंग या केरीयर में भी रख सकती है जो आपके सीने या पीठ पर बंधता हो ऐसा करने से शिशु आपकी गोद में रह सकेगा और बाकी कामों के लिए आपके हांथ भी मुक्त रहेंगे।

मुझे आराम की जरूरत है

नवजातों के लिए काफी सक्रिय रहना कठिन होता है। उसके रोने का एक मतलब होता है- बस, मेरे लिए काफी है. रोना, चिडचिडाना, उदास हो कर छत के ओर घूरना नींद आने के कुछ उदाहरण हैं। उसे किसी शांत और खामोश जगह ले जाएं। कुछ देर बाद आप पाएंगे कि वह सोने के लिए तैयार है।

मेरी तबियत ठीक नहीं है

अपने बच्चे में किसी भी परिवर्तन के बारे में सतर्क रहे। अगर वह अस्वस्थ है, वह शायद वह हमेशा की तरह न रोये। रोने का अलग ही स्वर हो सकता है, थोडा कम या अधिक या फिर चीख कर लगातार रोना। और अगर आपका शिशु आम तौर पर बहुत रोता है, लेकिन असामान्य रूप से शांत हो गया है, तो यह भी एक संकेत है कि उसकी तबियत ठीक नहीं है। कोई भी आपके शिशु को इतनी अच्छी तरह से नहीं जान सकता जैसे की आप। यदि आपको लगता है कि आपके शिशु की तबियत ठीक नहीं लग रही है तो डॉक्टर से बात करें और अपनी चिंताओं पर चर्चा करें। डॉक्टर को तुरंत बुलाएं अगर आपका शिशु को रोते समय सांस लेने में कठिनाई हो रही है, या अगर रोने के साथ उसे बुखार, उल्टी, दस्त या कब्ज भी हो रहा हो।

मुझे कुछ चाहिए...पर पता नहीं क्या

कभी कभी आपको समझने में कठिनाई होगी की आखिर शिशु रो क्यूं रहा है। देखा गया है की अक्सर नवजात शिशु बीच में कुछ दिनों के लिए चिडचिडे हो जाते हैं या फिर रोते ही रहते हैं। कभी कभी यह एकदम ही चुप हो जाते हैं या फिर कभी कभी घन्टों तक रोते हैं। अक्सर यह पेट के दर्द याने कोलिक की वजह से होता है। कालिक कम से कम तीन दिनों के लिए, एक दिन में कम से कम तीन घंटे के लिए गमगीन रोने के रूप में प्रकट होता है। इससे निबटना कठिन होता है, वहीं इसकी कोई जादुई दवा भी नहीं है। हालांकि आपके लिए यह जानना फायदेमंद होगा कि दर्द कभी भी काफी दिनों तक नहीं रहता।

मेरा शिशु लगातार रो रहा है मैं क्या करूं? यहां कुछ नुस्खे हैं जिससे आप अपने शिशु को आराम पहुंचा सकते हैं"

उसे लपेटें और कस कर पकड़ें

कई माता पिता यह देखते हैं की उनके शिशु गोद में आते ही चुप हो जाते हैं खासकर जब वह आपके दिल की धड़कन को सुन के सुखदायक मेहसूस करते हैं। कई नवजात लिपटना और सुरक्षित महसूस करना पसंद करते हैं। जैसा कि वह गर्भ में रहते हैं, तो आप अपने शिशु को कंबल में लपेटें (यह स्वैडलिंग के नाम से जाना जाता है) या बेबी स्लिंग में भी उसे रख सकते हैं ताकि जान सकें कि क्या वह उसे पसंद करता है। हलाकि कुछ शिशु ऐसे भी होते हैं जिन्हें लिपटे हुए रहना बिलकुल पसंद नहीं होता।

एक लगातार ध्वनि खोजें

गर्भ में आपका शिशु आपके दिल की धड़कन लगातार सुनता रहता है। इसलिए मधुर संगीत की आवाज या लोरी से आपके शिशु को आश्वासन मिलेगा। कई माता पिता को लगता है कि घड़ी की टिक टिक के स्थिर लय अक्सर शिशु को खामोश करते हैं और सोने में भी मदद करते हैं। अब बाजार से संगीत के सीडी या फिर टेप खरीद सकती है जो नन्हे शिशुओं को सुलाने में मदद केंगे।

अपनी बाहों में शिशु को घुमाएं

अधिकतर बच्चे धीरे-धीरे हिलना पसंद करते हैं, या तो आप उसे टहलाएं या गोद में लेकर एक हिलनेवाली कुर्सी मे बैठें। खास तौर पर बच्चों के लिए बनाए झूले भी कुछ बच्चों को शांत कर देते हैं, पर कई सो भी जाते हैं, जैसे ही उनको किसी कार में कहीं ले जाया जा रहा हो।

दूध पिलाने के लिए अलग स्थिति खोजें

कुछ बच्चे दूध पीते समय रोते हैं यदि आप स्तनपान करा रहीं है तो आपने देखा होगा की शिशु आराम से स्तन मुह में लेता है जब वह शांत होता है। अगर फीड के दौरान शिशु को गैस हो रहा है, तो आप ऐसी स्तिति ढूंढे जिसमे वह थोडा और सीधा होकर दूध पी सके। दूध पिलाने के बाद शिशु को डकार अवश्य दिलाएं। अगर आपका शिशु दूध पीने के बाद भी रोता है तो हो सकता है वह अब भी भूखा है। दोबारा से उसे दूध पिलाने की कोशिश करें।

उसे कुछ चूसने को दें

कुछ नवजातों में चूसने की इच्छा काफी तीव्र होती है और एक चुसनी या (साफ) उंगली या अंगूठा उसे काफी आरामदेह लगता है। कम्फर्ट सकिंग किसी बच्चे के दिल की धड़कन को नियमित कर सकता है, उसके पेट को आराम पहुंचाता है, और उसे शांत कर देता है।

उसे एक गुनगुना स्नान दें

गुनगुने पानी से स्नान आपके बच्चे को शांत करने में मदद करेगा पहले पानी का तापमान की जांच करें फिर शिशु को टब में डालें. यह बात ध्यान में रखें की अगर आप्कपके शिशु को स्नान पसंद नहीं है तो यह तरकीब काम नहीं करेगी-उल्टा शिशु और जोर से रोने लग सकता है।

कभी खुद से बहुत अधिक न मांगें

एक नवजात जो लगभग लगातार रोता है वह खुद को तो नुकसान नहीं पहुंचाता, लेकिन अपने अभिभावकों को जरूर तनावग्रस्त कर सकता है। खैर, अगर आपने अपनी सोच के मुताबिक सब कुछ आजमा लिया है, तो समय आ गया है कि आप खुद की चिंता करें।

-यदि आप बाद प्रसव पूर्ण एकांतवास में हैं तो बाकि घर वालों की मदद लें।

-कुछ शांत संगीत सुनकर आराम करें।

-अपने शिशु को किसी सुरक्षित जगह लिटा दें और कुछ देर तक रोने दें-अपनी सुनने की सीमा के भीतर कुछ गहरी सांसें लें।

-यदि आप और आपका शिशु दोनों ही परेशान हैं और आपकी सारी कोशिशे नकाम सी लग रहीं है तो अपने पति या घर के किसी और रिश्तेदार की मदद लें।

-अपने डॉक्टर से स्थानीय समर्थन समूहों (लोकल सपोर्ट ग्रुप) का पता लगाएं, जहां आप दूसरे नए अभिभावक बने लोगों से अपने अनुभव साझा कर सकें।

-मित्रों या फिर माता पिता से बात चीत करें और कुछ रणनीतियों बनायें अपनी भावनाओं को साझा करने के लिए और अन्य नए माता पिता के साथ बात करें।

इन गेम्स में रखें बच्चे को बिजी शैतान नहीं बनेंगे समझदार

कोरोना महामारी के कारण हर जगह लॉकडाउन किया गया। वैसे तो अब लोगों ने काम पर जाना शुरू कर दिया है। मगर बात बच्चों की करें अभी भी बहुत से बच्चे ऑनलाइन क्लासिस लगा रहे हैं। ऐसे में घर पर रहने से बच्चे भी परेशान हो गए है। साथ ही उनकी शरारतें भी तेजी से बढ़ रही है। कुछ बच्चों की शरारतों के चलते मां-बाप बेहद परेशान हो गए है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी गेम्स बताते हैं, जिसकी मदद से आप बच्चों को बिजी कर सकते हैं। साथ ही इससे वे नई चीजों को सीख सकते हैं। तो चलिए जानते हैं उन एक्टिविटी के बारे में...

गार्डनिंग सिखाएं

अगर आपको व बच्चों को पौधे पसंद है तो उनकी गार्डनिंग में मदद लें। उन्हें पौधों का महत्व बताते हुए रोजाना पानी देने की सीख दें। इससे उनके अंदर एक अच्छी आदत भी विकसित होगी।

कुकिंग सिखाना भी अच्छा आइडिया

आजकल के बच्चों को हर काम आना चाहिए। ऐसे में आपका बेटी हो या बेटी आप उन्हें कुकिंग सिखा सकती है। अगर आपके बच्चा ज्यादा छोटा है तो आप उनसे सैंडविच, बेल पुरी, चाट आदि बनवा सकती है। इसके अलावा केक, कुकिज बेक करवाना भी सही रहेगा। ऐसे में उसके अंदर एक और हुनर आएगा। साथ ही जरूरत पड़ने पर वे खुद के लिए खाना बना कर खा सकते हैं।

ड्राइंग सिखाना भी सही

बच्चों को कलर की दुनिया में खोने का अलग ही मजा आता है। ऐसे में आप उनसे पेंटिंग करवा सकते हैं। इसके लिए उन्हें एक ड्राइंग बुक व कलर खरीद कर उन्हें दें। अगर आपके बच्चे 5 से बड़े हैं तो आप उन्हें बबल पेंटिंग, पैबल पेंटिंग और स्प्रे पेंटिंग सिखा सकते हैं। इससे वे बिजी भी रहेंगे साथ ही उनकी क्रिएटिविटी निखर कर सामने आएगी।

पजल गेम से होगा दिमाग तेज

शरारती बच्चों को हमेशा से दिमाग वाला काम करने का शौक होता है। ऐसे में आप उन्हें पजल गेम लाकर दे सकते हैं। आपको बाजार में बहुत सी पजल गेम्स आसानी

से मिल जाएगी। इस तरह तरह वे उसे सुलझाने की कोशिश करेंगे। इससे उनका टाइम पास होने के साथ दिमाग का विकास होगा। साथ ही आपको भी उनकी शरारतों से आराम मिलेगा।

अलग-अलग क्लासिस करवाएं ज्वाइन

ज्यादा शोर मचाने वाले बच्चों को अक्सर इंस्ट्रूमेंट पसंद होते हैं। ऐसे में आप उन्हें गिटार, पियानो, तबला, सिंगिंग या डांस की क्लासिस ज्वाइन करवा सकते हो। इसके लिए आपको ऑनलाइन क्लासिस आसानी से मिल जाएगी। इसके अलावा यूट्यूब की भी मदद ले सकते हैं। इस तरह बच्चे मजे-मजे में एक नई चीज आसानी से सीख लेंगे। साथ ही उन्हें आगे अपना लक्ष्य चुनने की भी प्रेरणा मिलेगी।

आप थोड़ी सी सूझबूझ से निपटा सकते हैं भाई-बहनों के आपसी मसले, ये टिप्स आजमाएं

घर में अगर दो बच्चे हैं तो उनकी परवरिश के लिए समझ-बूझ की ज़रूरत होती है। सब बच्चों पर एक ही नियम लागू नहीं हो सकता, क्योंकि भाई-बहन में जहां प्यार होता है तो वहीं छोटे-मोटे झगड़े भी होते हैं। हर छोटी-बड़ी बात पर मम्मी-पापा को इनके झगड़े का हिस्सा बनना पड़ता है। अगर पैरेंट्स एक बच्चे के व्यवहार को सही कह दें और दूसरे के व्यवहार को गलत तो उसमें भी मुश्किल है, क्योंकि इससे एक बच्चे को बुरा लग सकता है। हम आपको कुछ ऐसी ही छोटी-छोटी बातें बता रहे हैं, जिससे आप अपने बच्चों की आपसी नोक-झोंक को समझदारी से सुलझा सकते हैं।

झगड़े की वजह जानें

अक्सर बच्चों के बीच झगड़ा होने पर पैरेंट्स उनके साथ समान व्यवहार पर ध्यान नहीं दे पाते। कई बार किसी बच्चे को गलती के लिए ज्यादा डांट पड़ जाती है, तो कई बार दूसरे बच्चे की शैतानी इग्नोर हो जाती है। किसी बच्चे को डांटने या उसकी गलती निकालने से पहले दोनों से पूरी बात जानें।

रिस्पेक्ट का नियम बनाएं

बच्चों के लिए व्यवहार के नियम बनाएं कि उन्हें कैसे एक-दूसरे के साथ पेश आना चाहिए। चाहे कितना भी गुस्सा क्यों न आए, बच्चों को एक-दूसरे को कैसे रिस्पेक्ट देनी है, अगर पहले से ही इस बारे में नियम बनाकर रखेंगे तो बच्चे अपनी लिमिट में रहेंगे और सभी संभव उपायों पर काम करेंगे।

झगड़े का निपटारा करना सिखाएं

बच्चों को सिखाएं कि किसी प्रॉब्लम से उन्हें कैसे डील करना है। आप बच्चों को एक ही सिचुएशन को अलग-अलग तरह से देखने के लिए प्रेरित करें। इससे उनका नजरिया बदलने में मदद मिलेगी और बच्चों की आपसी नाराजगी भी कम होती जाएगी।

हर बच्चे की रुचि को सराहें

कई बार बच्चों की अलग रुचि ही उनके आपसी झगडे की वजह बनती है। एक बच्चे को नृत्य और बाहरी गतिविधियों, खेलकूद में आनंद आता है, तो दूसरे को इंडोर गेम्स और क्रिएटिव चीजों में। अगर पैरेंट्स के इंटरेस्ट किसी बच्चे से मेल खाते हैं तो वे उसकी तारीफ करने लगते हैं, वहीं दूसरे बच्चे की पसंद उनसे मेल नहीं खाती तो वे उसकी हॉबी को लेकर ज्यादा चर्चा नहीं करते। ऐसा करने से बच्चों में कॉम्प्लेक्स आ सकता है। ध्यान रखें कि बच्चे के इंटरेस्ट चाहे आपसे मेल खाएं या नहीं, आपको दोनों पर ध्यान देने और सराहना करने की जरूरत है।

रीडिंग हैबिट : अभिभावक रूम में बुक कॉर्नर बनाएं और उनको किताबें करें गिफ्ट

...बच्चे भी कर लेंगे किताबों से दोस्ती

प्रतीक्षा का 12 साल का बेटा है जो खेल-कूद में तो आगे है, लेकिन किताबों के नाम से दूर भागता है। जिसे लेकर वो काफी परेशान रहती हैं। ये समस्या हर उस घर की है जहां बढ़ती उम्र के बच्चे हैं। पैरेंट्स किताबें पढ़ने के लिए बच्चों पर तरह-तरह का दबाव तो डालते हैं, लेकिन सही तरीके नहीं अपनाते। चलिए हम बताते हैं कुछ ट्रिक्स, जिन्हें अपनाकर आप अपने बच्चों में डेवलप कर सकते हैं रीडिंग हैबिट।

पहले पढ़कर सुनाएं : इंट्रेस्टिंग किताबें लाएं। पहले खेल-खेल में किताब पढ़कर सुनाएं। इससे बच्चे में धीरे-धीरे पढ़ने की रुचि बढ़ेगी।

इंट्रेस्ट की बुक लाएं : बच्चों की उम्र के अनुसार उनके इंट्रेस्ट की किताबें लाएं। अपनी पसंद की किताबें पढ़ने का प्रेशर न डालें। इससे उनकी अरुचि और बढ़ेगी।

हेल्पफुल हो सकते हैं न्यूज पेपर : पढ़ने की आदत डालने में न्यूज पेपर हेल्पफुल बन सकते हैं। जब आप अखबार पढ़ें तो बच्चे को भी पास बैठा कर पेपर पढ़ने के लिए प्रेरित करें। नई-नई खबरों के बारे में उससे बात करें। इससे बच्चे की जानकारी भी बढ़ेगी और पढ़ने की आदत भी बनेगी।

गिफ्ट करें किताबें : बच्चे के बर्थ डे पर या किसी खास मौके पर उसे उपहार के तौर पर किताबें गिफ्ट करें।

लाइब्रेरी फ्रैंडली बनाएं : बच्चे को लाइब्रेरी ले जाएं। बहुत सारी किताबें देखकर उसकी रुचि जागेगी। बच्चे को अलग-अलग विषयों की किताबों के बारे में बताएं। वहां बैठे बहुत से लोगों को पढ़ते देख बच्चे को भी पढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

रूम में बनाएं बुक कॉर्नर : बच्चे के रूम में एक बुक कॉर्नर बनाएं। जिसमें अलग-अलग विषयों की किताबें रखें। बुक शेल्फ को रोचक तरीके से सजाएं। ये ट्रिक मददगार साबित होगी।

ई-बुक यूज न करें : बच्चे को ई-बुक यानी मोबाइल, लैपटॉप या टैब से किताबें पढ़ने की आदत बिल्कुल न डलवाएं। कई बार बच्चा पढ़ने का बहाना बनाकर गैजेट्स का मिस यूज भी कर सकता है।

टाइम-टेबल बनाएं

बच्चों की पढ़ाई के लिए टाइम-टेबल बनाना बहुत जरूरी है। जब भी टाइम-टेबल बनाएं, बच्चों के साथ अपना भी टाइम-टेबल साझा रखें। सुबह बच्चों को जल्दी स्कूल पहुंचना होता है, आपको भी दफ्तर पहुंचने की जल्दी होती है। इसलिए सुबह का समय टाइम-टेबल में शामिल नहीं हो सकता। पर जब आप दफ्तर से लौटते हैं, टीवी देखने या दफ्तर का काम निपटाने के बजाय रात को कम से कम दो घंटे का समय बच्चों के लिए रखें। चूंकि माताएं रात के भोजन की तैयारी और दूसरे घरेलू कामों में लग जाती हैं, इसलिए पिता को ही अपना समय बच्चों को देना होगा। रात को ग्यारह बजे

तक जगा जा सकता है।

बच्चों को पढ़ाते समय या उनके पढ़ते समय साथ बैठते समय, चाहें तो आप भी कुछ पढ़-लिख या दफ्तर का काम कर सकते हैं। पर ध्यान रखें कि आपकी नजर उनकी पढ़ाई पर हो। जैसे ही बच्चों को खुद पढ़ने के लिए छोड़ेंगे, वे दूसरी तरफ ध्यान लगाएंगे। बीच-बीच में बच्चों से उनकी पढ़ी हुई बातों के बारे में पूछते रहें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भूकंप से हिला इंडोनेशिया, एक व्यक्ति की मौत; सुनामी की चेतावनी नहीं

मलंग (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में आये भूकंप में एक व्यक्ति की मौत हो गई और इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं जबकि इसके झटके पर्यटक केंद्र बाली में भी महसूस किये गये। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। हालांकि सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने बताया कि स्थानीय समयानुसार अपराह्न दो बजे आये भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई। इसका केंद्र पूर्वी जावा प्रांत के मलंग जिले के सुम्बरपुकंग शहर से 45 किलोमीटर दक्षिण में 82 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इंडोनेशिया के भूकंप एवं सुनामी केंद्र के प्रमुख रहमत त्रियोनो ने एक बयान में बताया कि भूकंप का केंद्र समुद्र के भीतर स्थित था, लेकिन भूकंप के झटके में सुनामी उत्पन्न करने की क्षमता नहीं थी। उन्होंने इसके बावजूद लोगों से मिट्टी या चट्टानों के ऐसे ढलानों से दूर रहने का आग्रह किया जहां भूस्खलन का खतरा हो।
पूर्वी जावा के लुमाजैंग जिले में चट्टानों के गिरने से मोटरसाइकिल सवार एक महिला की मौत हो गई और उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। उप जिला प्रमुख इंदा अम्परवती ने 'मेट्रो टीवी' को यह जानकारी दी। जिले में कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। टेलीविजन की खबरों में पूर्वी जावा प्रांत के कई शहरों में मॉल और इमारतों से लोगों को दहशत में भागते हुए दिखाया गया। इंडोनेशिया की खोज एवं बचाव एजेंसी ने मलंग के पड़ोसी शहर ब्लीतर स्थित एक अस्पताल की क्षतिग्रस्त छत सहित क्षतिग्रस्त कुछ घरों एवं इमारतों के वीडियो एवं तस्वीरें जारी की। प्राधिकारी प्रभावित क्षेत्रों से हताहत हुए लोगों और क्षति की पूरी जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। इंडोनेशिया अक्सर भूकंप के झटकों, ज्वालामुखी विस्फोट और सुनामी से प्रभावित होता है। गत जनवरी में पश्चिम सुलावेसी प्रांत स्थित मामुजू और माजिनी जिलों में आये 6.2 तीव्रता के भूकंप में कम से कम 105 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 6,500 अन्य लोग घायल हो गए थे। वहीं इसके चलते 92,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए थे।

सऊदी अरब के तीन सैनिकों को दी गई फांसी, कर रहे थे दुश्मन देश की मदद

दुबई। सऊदी अरब ने तीन सैनिकों को राजद्रोह के मामले में दोषी पाये जाने के बाद शनिवार को फांसी दे दी। सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया है कि ये सैनिक रक्षा मंत्रालय में कार्यरत थे। उसने यह नहीं बताया कि इन सैनिकों ने देश के दुश्मनों की किस तरह मदद की। सऊदी अरब यमन में ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों से लड़ रहा है। सऊदी अरब ईरान को क्षेत्र में अपना प्रतिद्वंद्वी मानता है। सऊदी अरब ने कहा कि तीन व्यक्तियों को अदालत ने दोषी पाया था। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक, 2019 में सऊदी अरब में 184 लोगों को मौत की सज़ा दी गई थी।

कोरोना की रफ्तार बढ़ने से चीन के युवाओं में खौफ, मौत के डर से लिखने लगे वसीहत?

दुनिया में कोरोना वायरस का डर अभी भी कायम है। कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है और कई लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। कोरोना संक्रमण की वजह से लोगों के मन में डर बैठ गया है कि कब वो इस वायरस की चपेट में आ जाएं। साल 2020 की शुरुआत में चीन के वुहान से कोरोना महामारी दुनियाभर में फैली। लेकिन एक बार फिर कोरोना वायरस ने चीन में रफ्तार पकड़ ली है। चाइन विल रजिस्ट्रेशन सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना महामारी के चलते मौत के डर से ज्यादातर चीनी नौजवान वसीहत लिखने लगे हैं। इस रिपोर्ट का हवाला देते हुए साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट के अनुसार अब पहले से ज्यादा चीनी लोग अपनी वसीहत तैयार कर रहे हैं। खबर के अनुसार चीन में 1990 के बाद पैदा होने वाले लोगों की वसीहत लिखने की संख्या 2019 से 2020 के बीच काफी बढ़ी है। जो पिछले सालों के मुकाबले 60 प्रतिशत तक ज्यादा है। विदेशों में रहने वाले चीनी लोग भी ज्यादा तादाद में अपनी संपत्ति को लेकर रजिस्ट्रेशन सेंटर से सलाह कर रहे हैं।

बांग्लादेश: इस्लामी कट्टरपंथ समूह का मस्जिद के अंदर हमला, 12 लोग घायल

ढाका। उत्तरी बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी समूह के कार्यकर्ताओं ने एक मस्जिद में इबादत करने आए लोगों पर हमला कर दिया, जिसमें कम से कम 12 लोग घायल हो गए। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार घटना शुक्रवार को गाइबांधा जिले की एक मस्जिद में हुई जब स्वयंभू हिफाजत-ए-इस्लाम के कार्यकर्ताओं ने इमाम का माइक छीन लिया और अपने संगठन के बारे में बोलने लगे। मस्जिद के इमाम मतलूब उद्दीन ने कहा कि जब नमाजियों ने दखल देने की कोशिश की तो उन्होंने उनपर हमला कर दिया। खबर के अनुसार हमले में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। सुंदरगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। प्रभारी अधिकारी बुलबुल इस्लाम ने कहा, मस्जिद समिति के बीच मतभेदों के कारण यह घटना हुई।

प्रिंस फिलिप को दी गई 41 तोपों की सलामी, ब्रिटेन में आठ दिन के शोक की शुरुआत

लंदन। (एजेंसी)।

यूनाइटेड किंगडम की सभी राजधानियों और नौसैनिक पोतों ने शनिवार को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पति और ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग दिवंगत प्रिंस फिलिप को तोपों की सलामी दी। प्रिंस फिलिप का 99 साल की उम्र में शुक्रवार को विंडसर कैसल में निधन हो गया। लंदन, कार्डिफ, बेलफास्ट और एडिनबर्ग में शनिवार दोपहर से प्रत्येक मिनट पर एक गोला दागे जाने की दर से 41 तोपों की सलामी के साथ देश में आठ दिन के राष्ट्रीय शोक की शुरुआत हुई। शाही परिवार की वेबसाइट पर पोस्ट बयान के अनुसार, ''महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों पर देश भर में तोपों की सलामी देने की परंपरा कम से कम 18वीं सदी से शुरू हुई और कुछ ऐतिहासिक रिकॉर्ड के अनुसार 14वीं सदी में भी तोपों की सलामी दी गई है। उस दौरान बंदूकें, तोप और बारुद बड़े पैमाने पर बनना शुरू हुआ था।'' उसमें कहा गया है, ''महारानी विक्टोरिया के निधन पर 1901 में भी ऐसे ही तोपों की सलामी दी गई थी।'' उन्होंने सेना के साथ ड्यूक के संबंधों का भी सम्मान किया। ड्यूक ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश नौसेना के साथ काम किया था।
ब्रिटेन के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल निक कार्टर ने कहा, ''प्रिंस सशस्त्र बलों के लिए बहुत अच्छे मित्र, प्रेरक और आदर्श थे। हम उन्हें बहुत याद करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान हमारे (सेना के) साथ काम किया था और पूरी जिंदगी रॉयल नौसेना और सशस्त्र बलों के लिए समर्पित रहे। उन्होंने अच्छी जिंदगी जी, प्रिंस अपने पीछे समृद्ध विरासत छोड़कर जा रहे हैं। वर्तमान और पूर्व, सभी सैनिकों की ओर से उनको धन्यवाद।'' लोगों को तोपों की सलामी दूर से देखने की सलाह दी जा रही है और उनका टीवी पर तथा ऑनलाइन प्रसारण हो रहा है। कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर बकिंघम पैलेस ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे बड़ी संख्या में महल के बाहर एकत्र ना हों और ड्यूक की याद में फूल चढ़ाने की जगह जरुरतमंदों की मदद के लिए पैसे दान करें। पैलेस की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन 'बुक ऑफ कंडोलेंस' जारी किया गया है। शुक्रवार को ड्यूक के निधन की घोषणा करते हुए बकिंघम पैलेस ने कहा था, ''महारानी बेहद दुख के साथ अपने प्रिय पति के निधन की सूचना दे रही हैं। राजपरिवार और दुनिया भर के लोग उनके जाने का शोक मना रहे हैं।

पाकिस्तान ने चीन के तीसरे कोविड-19 रोधी टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिये संघर्ष कर रहे पाकिस्तान ने कम प्रभावी होने के बावजूद चीन के तीसरे कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान औषधि नियामक प्राधिकरण (डीआरएपी) ने चीन की कंपनी सिनोवैक बायोटेक द्वारा विकसित कोविड-19 रोधी टीके कोरोनावैक के आपात इस्तेमाल को बृहस्पतिवार को मंजूरी दी। डीआरएपी के एक अधिकारी ने कहा, पाकिस्तान में इस्तेमाल के लिये मंजूर किया गया चीन का यह तीसरा टीका है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक कुल पांच कोविड टीकों को मंजूरी दी जा चुकी है। पाकिस्तान चीन के सिनोफार्म और कैनसिनो बायोलॉजिकल इंक द्वारा विकसित कोंविडेशिया टीकों के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे चुका है। साथ ही ब्रिटेन के एस्ट्राजेनेका और रूस के स्पूतनिक वी टीकों को डीआरएपी की मंजूरी मिल चुकी है। बताया जा रहा है कि नए मंजूर किये गए कोरोनावैक टीके कम प्रभावी हैं, लेकिन सरकार ने टीकाकरण अभियान को गति देने के लिये इसके आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पाकिस्तान में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 5,139 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर7,15,968 हो गई है।इसके अलावा 100 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 15,329 तक पहुंच गई है। लगभग 4,204 रोगियों की हालत नाजुक है।

पांचवीं बार राष्ट्रपति का पद संभालेंगे इस्माइल उमर गुएले, हासिल किया जबर्दस्त बहुमत

मोगदिशु (सोमालिया)। (एजेंसी)।

पूर्वी अफ्रीका में स्थित जिबूती की सरकार ने कहा है कि लंबे अरसे से देश के राष्ट्रपति इस्माइल उमर गुएले (73) ने जबर्दस्त बहुमत के साथ पांचवें कार्यकाल के लिए चुनाव जीत लिया है। गृह मंत्री मुमीन अहमद शेख ने चुनाव के अस्थायी परिणामों के हवाले से पत्रकारों से कहा कि गुएले को 177,391 मतों में से 98 फीसदी से ज्यादा वोट मिले हैं और उन्होंने अपने एकमात्र प्रतिद्वंद्वी जकारिया इस्माइल फराह को शिकस्त दे दी है। शुक्रवार को हुए चुनाव का अन्य विपक्ष ने बहिष्कार किया था।
चुनाव आयोग अंतिम परिणाम शनिवार देर तक जारी कर सकता है। राष्ट्रपति ने ट्वीट कर उनमें भरोसा जताने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। सरकारी मीडिया ने मंत्री के हवाले से कहा कि फराह को 1.59 फीसदी वोट मिले हैं। गुएले के लिए राष्ट्रपति पद का यह कार्यकाल अंतिम हो सकता है, क्योंकि संविधान के मुताबिक, 75 वर्ष से अधिक आयु का व्यक्ति राष्ट्रपति पद पर नहीं रह सकता है।

चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में सहयोग को मजबूत करने की सहमति व्यक्त की

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय निकायों में अपने सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों ने बृहस्पतिवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संयुक्त राष्ट्र मामलों पर चीन-पाकिस्तान परामर्श के तीसरे दौर का आयोजन किया। चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि बैठक में, संयुक्त राष्ट्र के सभी प्रमुख क्षेत्रों में आपसी हित के कई बहुपक्षीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। इसमें कहा गया है कि दोनों देश संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर अपने सहयोग को मजबूत करने और एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए सहमत हुए हैं। दोनों देशों ने आतंकवाद विरोधी अभियान में सहयोग को मजबूत करना जारी रखने का फैसला किया है। विज्ञप्ति के अनुसार दोनों देशों ने बहुपक्षवाद की दृढ़ता से रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय मामलों में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका का समर्थन करने की भी सहमति व्यक्त की।

कोरोना वायरस टीकों की हो रही कमी, 60 देशों में टीकाकरण बाधित होने की आशंका

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

लंदन। कोरोना वायरस टीकों के निष्पक्ष वितरण के लिए शुरू किए गए संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रम 'कोवैक्स' को मिलने वाले टीकों की आपूर्ति बाधित होने से दुनिया के कुछ सबसे गरीब देशों समेत कम से कम 60 देशों में टीकाकरण प्रभावित हो सकता है। दैनिक आधार पर संकलित यूनिसेफ आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो सप्ताह में 92 विकासशील देशों में आपूर्ति करने के लिए 20 लाख से कम कोवैक्स खुराकों को मंजूरी दी गई, जबकि केवल ब्रिटेन में इतनी ही खुराक की आपूर्ति की गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रस अधानम घेब्रेयेसस ने ''टीकों के वैश्विक वितरण में स्तब्ध करने वाले असंतुलन'' की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा था कि अमीर देशों में औसतन चार में से एक व्यक्ति को कोविड-19 टीका लगाया जा चुका है, जबकि कम आय वाले देशों में 500 लोगों में से औसतन केवल एक व्यक्ति को टीका लगाया गया है।

भारत ने बड़ी मात्रा में 'एस्ट्राजेनेका' टीकों का उत्पादन करने वाले सीरम इंस्टीट्यूट में बने टीकों के निर्यात को फिलहाल रोकने का फैसला किया है, जो वैश्विक स्तर पर टीकों की कमी का मुख्य कारण है। जिन देशों को कोवैक्स ने सबसे पहले टीकों की आपूर्ति की थी, उन्हें 12 सप्ताह के भीतर टीके की दूसरी खुराक पहुंचाई जानी है, लेकिन ऐसा संभव हो पाएगा या नहीं, इस पर आशंका के बादल मंडरा रहे हैं। टीकों की आपूर्ति करने वाले संगठन 'गावी' ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि टीकों की आपूर्ति में देरी से 60 देश प्रभावित हुए हैं। 'एपी' को मिले डब्ल्यूएचओ के दस्तावेज दर्शाते हैं कि आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण ''कुछ देशों का कोवैक्स से विश्वास उठने'' लगा है। इसके कारण डब्ल्यूएचओ पर चीन और रूस के टीकों का अनुमोदन करने का दबाव बढ़ रहा है। उत्तर अमेरिका या यूरोप में किसी भी नियामक ने चीन और रूस के टीकों को मान्यता नहीं दी है।

अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में आक्रामक कार्रवाई करने पर रूस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी

वाशिंगटन। अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में आक्रामक कार्रवाई करने पर रूस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है और बाइडेन प्रशासन इस संबंध में रूस के खिलाफ अपनी नीति की समीक्षा कर रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने दैनिक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि अमेरिका रूसी सैनिकों के यूक्रेन की सीमाओं की ओर बढ़ने के मामले पर क्षेत्र के अपने साझेदारों और सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श और काम कर रहा है। साकी ने शुक्रवार को कहा, इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इनमें से कुछ प्रत्यक्ष तो कुछ अप्रत्यक्ष होंगें। जल्द ही इस बारे में और अधिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा, जैसा कि हम जानते हैं कि यह पूर्वी यूक्रेन में रूस की आक्रामक कार्रवाई के आसार से संबंधित मामला है। रूस के सैनिक यूक्रेन की सीमाओं ओर बढ़ रहे हैं। हालात का जायजा लेने और आगे की कार्रवाई के लिये हम क्षेत्र में अपने साझेदारों और सहयोगियों से सलाह मशविरा करके उनके साथ काम कर रहे हैं। यूक्रेन ने पिछले सप्ताह रूस पर हजारों सैन्य कर्मियों को अपनी उत्तरी तथा पूर्वी सीमाओं और क्रीमिया प्रायद्वीप की ओर भेजने का आरोप लगाया था। इस बीच, मीडिया में आईं खबरों के अनुसार बाइडन प्रशासन ने रूस को लेकर सुरक्षा समीक्षा पूरी कर ली है और वह उसके खिलाफ नयी कार्रवाइयों की योजना बना रहा है।

मिसेज श्रीलंका विनर के सिर से क्राउन उतारने वाली कैरोलीन जूरी ने त्यागा अपना मिसेज वर्ल्ड का खिताब

कोलंबो। सौंदर्य प्रतिस्पर्धा 'मिसेज वर्ल्ड 2020' की विजेता कैरोलीन जूरी ने इस साल मिसेज श्रीलंका चुनी गईं पुष्पिका डीसिल्वा के सिर से ताज जबरदस्ती उतारने के अपने फैसले का बचाव किया और अपना खिताब त्याग दिया। जूरी का दावा है कि डीसिल्वा इस प्रतियोगिता में भाग लेने के योग्य नहीं थीं, क्योंकि वह तलाकशुदा हैं। डीसिल्वा को रविवार को टीवी पर प्रसारित एवं कोलंबो में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मिसेज श्रीलंका चुना गया था। जूरी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार करने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया।

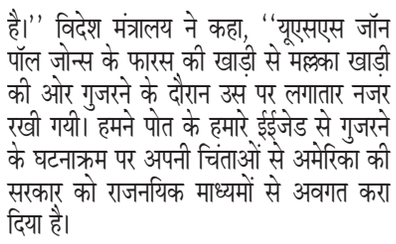

जूरी ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि वह ''अन्याय'' के खिलाफ खड़ी हुईं। उन्होंने कार्यक्रम में ''भ्रष्टाचार'' होने का आरोप लगाया। जूरी ने कहा कि वह सुनिश्चित करना चाहती थीं कि हर प्रतिभागी को समान अवसर मिले, क्योंकि उन्होंने ''शुरुआत से देखा'' है कि प्रतियोगिता में भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने अपने सिर से ताज उतारने से पहले कहा, ''मैं अब ताज सौंपने के लिए तैयार हूं।'' इस बीच, डीसिल्वा ने स्पष्ट किया कि वह अपने पति से अलग रह रही हैं, लेकिन उनका तलाक नहीं हुआ है। मिसेज श्रीलंका खिताब विवाहित महिला को ही दिया जाता है। जूरी ने कार्यक्रम के दौरान कहा था कि डीसिल्वा तलाकशुदा हैं और इस प्रतिस्पर्धा में केवल विवाहित महिलाओं को भाग लेने की इजाजत है। इसके बाद उन्होंने डीसिल्वा का विजेता का ताज जबरदस्ती उतार लिया और उपविजेता प्रतिभागी के सिर पर रखकर उसे विजेता घोषित कर दिया। डीसिल्वा ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आयोजकों ने उन्हें विजेता का ताज लौटा दिया।

बिना मंजूरी भारतीय समुद्री सीमा में नौसेना के ऑपरेशन का अमेरिका ने किया बचाव, पेंटागन का आया बड़ा बयान

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

पेंटागन ने कहा है कि भारत की मंजूरी के बिना उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के दायरे में अमेरिकी नौसेना पोत द्वारा नौवहन अधिकारों का उपयोग करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना के पोत जॉन पॉल जोन्स के भारत के ईईजेड से गुजरने के संबंध में भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था। असाधारण कदम उठाते हुए अमेरिकी नौसेना ने भारत की पूर्वानुमति के बिना इस सप्ताह लक्षद्वीप द्वीपसमूह के निकट भारतीय जलक्षेत्र में नौपरिवहन स्वतंत्रता अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिसके बाद नयी दिल्ली ने शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उसने राजनयिक माध्यमों से वाशिंगटन को अपनी चिंताओं से अवगत करा दिया है।
विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के सात अप्रैल के इस बयान पर भी विरोध दर्ज कराया कि अमेरिकी जहाज जॉन पॉल जोन्स द्वारा नौपरिवहन स्वतंत्रता अभियान में अंतरराष्ट्रीय कानून में निर्धारित समुद्र क्षेत्र के कानूनन इस्तेमाल, अधिकार और स्वतंत्रता को कायम रखा गया। अमेरिकी नौसेना के कदम पर भारत की प्रतिक्रिया से संबंधित सवाल पर पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, ''मैं कह सकता हूं कि नौसेना के विध्वंसक पोत यूएसएस जॉन पॉल जोन्स ने मालदीव गणतंत्र के नजदीक समुद्री क्षेत्र में सामान्य परिचालन के तहत अहानिकारक तरीके से गुजरते हुए अपने नौवहन अधिकारों एवं स्वतंत्रता का उपयोग किया और ऐसे में उसने बिना पूर्वानुमति के उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में परिचालन किया।''
अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के कमांडर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मिसाइल विध्वंसक पोत यूएसएस जॉन पॉल जोन्स के जरिये सात अप्रैल को यह अभियान शुरू किया गया। बयान में कहा गया, सात अप्रैल, 2021 को यूएसएस जॉन पॉल जोन्स (डीडीजी 53) ने भारत की अनुमति के बिना, अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र लक्षद्वीप द्वीपसमूह के पश्चिम से लगभग 130 समुद्री मील दूर नौपरिवहन अधिकार एवं स्वतंत्रता अभियान शुरू किया। किर्बी ने पेंटागन में संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, ''यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है।हम अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक उड़ान भरने, समुद्री परिचालन करने तथा परिचालन के अपने अधिकार तथा जिम्मेदारी को बनाए रखेंगे।'' किर्बी ने कहा कि नौवहन स्वतंत्रता को कायम रखना, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्र के कानूनी उपयोग, आजादी एवं अधिकारों को बनाए रखना अमेरिका की जिम्मेदारी है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र के समझौते (यूएनसीएलओएस) पर भारत का स्पष्ट रुख है कि इसके तहत दूसरे देशों को किसी तटीय देश की अनुमति के बिना उसके विशेष आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) में और महाद्वीपीय भाग में सैन्य अभ्यास करने का और खासतौर पर हथियारों और विस्फोटकों का इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है।'' विदेश मंत्रालय ने कहा, ''यूएसएस जॉन पॉल जोन्स के फारस की खाड़ी से मलक्का खाड़ी की ओर गुजरने के दौरान उस पर लगातार नजर रखी गयी। हमने पोत के हमारे ईईजेड से गुजरने के घटनाक्रम पर अपनी चिंताओं से अमेरिका की सरकार को राजनयिक माध्यमों से अवगत करा दिया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www. facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/

सार समाचार

महाराष्ट्र में लग सकता है लॉकडाउन, सीएम उद्धव ठाकरे ने रविवार को बुलाई बैठक

मुबंई। कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच महाराष्ट्र सरकार ने लॉकडाउन का संकेत दिया है। बता दें कि 1-2 दिन में सरकार बड़ा फैसला ले सकती है। उद्धव सरकार ने कोरोना लॉकडाउन को लेकर रविवार को कोविड टास्क फोर्स के साथ बैठक बुलाई है। वहीं महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेन्द्र ने इस फैसले का विरोध किया है। बता दें कि 8 दिनों तक कड़ी पाबंदी लगाई जा सकती है।

कूचबिहार में हिंसा के बाद माकपा ने कहा- घटना की उच्च स्तरीय जांच की जाए

नयी दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में सीआईएसएफ के जवानों द्वारा कथित तौर पर की गई गोलीबारी में चार लोगों की मौत की घटना की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने ट्वीट किया, ''केंद्रीय बलों का मतदाताओं पर गोली चलाना और चार लोगों की हत्या करना भयावह है। यह पूरी तरह निंदनीय है। चुनाव आयोग को न्यायिक निगरानी में उच्च स्तरीय जांच का आदेश देना चाहिए और दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना है।'' गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में शनिवार को स्थानीय लोगों द्वारा हमला किए जाने के बाद सीआईएसएफ ने कथित तौर पर गोलियां चलाई जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। ऐसा आरोप है कि स्थानीय लोगों ने सीआईएसएफ जवानों की ''राइफलें छीनने की कोशिश की।'' पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना सीतलकूची में उस वक्त हुई जब मतदान चल रहा था।

एक बड़े माफिया को दूसरे राज्य से लाना योगी सरकार की बड़ी उपलब्धि: मेनका गांधी

सुलतानपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गुंडों और माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की सराहना करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सुलतानपुर से भाजपा सांसद मेनका गांधी ने शनिवार को कहा कि एक बड़े माफिया को दूसरे राज्य से अपने राज्य की जेल में लाना योगी आदित?यनाथ सरकार की बड़ी उपलब्धि है। उनका यह बयान बसपा विधायक मुख्तार अंसारी को पंजाब की रूपनगर जेल से बृहस्पतिवार को प्रदेश की बांदा जेल लाये जाने के बाद आया है। उच्चतम न्यायालय ने 26 मार्च को अंसारी को पंजाब से उत्तर प्रदेश भेजने का आदेश दिया था। मेनका ने कहा कि उन्होंने मऊ जिले के माफिया के खिलाफ कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री से मांग की है और उनकी संस्तुति पर दोस्तपुर थाना क्षेत्र के एक बड़े अपराधी के खिलाफ स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई की। उन्होंने दावा किया कि जिले के अन्य माफि?या भी जेल में होंगे। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि यदि पंचायत जनप्रतिनिधि पार्टी समर्थित होंगे, तो गांवों का अधिक से अधिक विकास कराने में उन्हें बड़ी मदद मिलेगी। पंचायत चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों के प्रचार प्रसार के लिए सुलतानपुर पहुंची मेनका ने इसौली विधानसभा क्षेत्र के दर्जन भर गांवों का दौरा किया।

कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान संगठनों से बोले नरेंद्र सिंह तोमर, सरकार बातचीत को तैयार

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सरकार कृषि बिलों का विरोध कर रहे किसान संगठनों से बातचीत करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने किसान संगठनों से आंदोलन खत्म करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि हजारों किसान संगठन, अर्थशास्त्री, समाज के विभिन्न वर्ग कृषि सुधार बिलों का स्वागत कर रहे हैं। कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। आंदोलनकारी किसानों से सरकार ने 11 दौर की बातचीत की, हमने संशोधन का प्रस्ताव दिया। किसान यूनियन ने प्रस्ताव को निरस्त कर दिया। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों के मन में असंतोष नहीं है। जो किसान संगठन इन बिलों के विरोध में है उनसे सरकार बातचीत के लिए तैयार है। मैं किसान संगठनों से आग्रह करूंगा कि वे अपना आंदोलन स्थगित करे अगर वे बातचीत के लिए आएंगे तो सरकार उनसे बातचीत के लिए तैयार है।

काशी विश्वनाथ व ज्ञानवापी मस्जिद विवाद- पक्षकार हरिहर पांडेय को जान से मारने की धमकी मिली

वाराणसी(उप्र)। काशी विश्वनाथ और ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में स्वयंभू लार्ड विश्वेश्वर के पक्षकार हरिहर पांडेय को फोन पर कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिली, जिसके बाद उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई गई है। क्षेत्राधिकारी दशाश्वमेध, अवधेश पांडेय ने बताया पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश के आदेश पर हरिहर पांडेय को सुरक्षा मुहैया करा दी गयी है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है हरिहर पांडेय ने बताया कि काशी विश्वनाथ और ज्ञानवापी मस्जिद विवाद में फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा बृहस्पतिवार को पुरातात्विक सर्वेक्षण कराने से जुड़े फैसले के बाद जब वह घर पहुंचे, तो एक अनजान नम्बर से उन्हें कॉल आया।

मोदी का तंज, चुनाव में हार सुनिश्चित देख हिंसा के पुराने खेल पर उतर आई हैं ममता

कृष्णानगर (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर हिंसा के 'पुराने खेल' पर उतर आने का आरोप लगाया और कहा कि लोकतंत्र के उत्सव में भी वह माताओं-बहनों के आंसूओं की वजह बन रही हैं। यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी ने जिस अल्पसंख्यक समाज को ''बहलाया-फुसलाया'' वही आज भ्रष्टाचार और बेकारी से परेशान है और औरतों के साथअपराध होते रहे, लेकिन वह तीन तलाक कानून का विरोध करती रहीं। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता ममता सरकार से त्रस्त हो चुकी है और विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आज दीदी चुनाव आयोग को गाली दे रही हैं, आज दीदी केंद्रीय वाहिनी को गाली दे रही हैं, आज दीदी ईवीएम को गाली दे रही हैं। हालत तो यह है दीदी आज अपनी पार्टी के पोलिंग एजेंट को भी गाली दे रही हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि दीदी के साथी अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को गाली दे रहे हैं। दीदी इतनी हताश हो चुकी हैं कि बंगाल के मतदाताओं को ही ''बदनाम'' कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''चुनाव में हार निश्चित देख दीदी अपने पुराने खेल पर उतर आई हैं। बंगाल में दीदी और टीएमसी द्वारा हिंसा की कोशिश की जा रही है। संवेदनशीलता की उम्मीद आपसे सब छोड़ चुके हैं। लोकतंत्र के उत्सव में भी आप माताओं-बहनों के आंसू गिरने की वजह बन रही हैं।''

मोदी ने कहा कि जो केंद्रीय बल पूरे देश में निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराता है, उसे भी ममता बनर्जी नहीं बख्श रही हैं। उन्होंने कहा, ''दीदी ये समस्या आपकी हिंसक राजनीति की है...ये समस्या छप्पा वोट रुकने पर आपकी बौखलाहट की है...समस्या आपकी भड़काऊ बयानबाजी की है।'' उन्होंने ममता बनर्जी को याद दिलाया कि यह 2021 का बंगाल है और कहा, ''अब आपको लोकतंत्र से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।'' प्रधानमंत्री ने दावा किया कि मुख्यमंत्री बंगाल के लोगों को जितना डराने और उनमें भय फैलाने की कोशिश कर रही हैं, उतने ही अधिक लोग उन्हें हराने के लिए एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आज बंगाल का नौजवान आपको हरा रहा है, आज बंगाल की महिलाएं आपको हरा रही हैं, आज बंगाल का गरीब और मध्यमवर्ग आपको हरा रहा है।'' प्रधानमंत्री ने दावा किया कि बंगाल का चुनाव सिर्फ भाजपा नहीं लड़ रही है, बल्कि राज्य की जनता ममता बनर्जी को हराने के लिए 10 कदम आगे बढ़कर लड़ रही है। उन्होंने कहा, ''दीदी, आप भाजपा को हराने की तो कोशिश कर सकती हैं, लेकिन बंगाल की जनता को कैसे हराएंगी? आप सात जन्मों में भी बंगाल की जनता को नहीं हरा सकतीं।'' अल्पसंख्यक युवाओं में बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ''दीदी की सरकार'' में उन्हें बेकारी, लाठियों और अपमान के सिवाय कुछ नहीं मिला। अल्पसंख्यक मतदाताओं की ममता की अपील का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''जिस अल्पसंख्यक समाज को दीदी ने बहलाया-फुसलाया, आज वही कटमनी और सिंडिकेट से परेशान है और बेकारी से निराश है। बहन-बेटियों के साथ जघन्य अपराध होते रहे, दीदी चुप रहीं।'' तीन तलाक की प्रथा खत्म करने का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन मुस्लिम बहनों व बेटियों ने दीदी को इतना प्यार दिया, उनके साथ तो दीदी ने बहुत ही बुरा किया। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार ने तीन तलाक की

प्रताड़ना से मुक्त करने के लिए सख्त कानून बनाया। लेकिन दीदी मुस्लिम बहनों के ही विरोध में खड़ी हो गईं। ये बहन-बेटियां भी आजादी चाहती हैं। लेकिन दीदी ने उनसे ज्यादा कट्टरपंथियों की चिंता की वोट बैंक की चिंता की।''

सोनिया गांधी की कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के संग बैठक, बोलीं- पीएम मोदी के कारण देश में वैक्सीन की कमी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने कोरोना महामारी में कुप्रबंधन किया और टीके का निर्यात कर देश में इसकी कमी होने दी। उन्होंने बैठक में यह भी कोरोना के संक्रमण के प्रसार से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने तथा साथ ही कमजोर तबकों की मदद करने की जरूरत है। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे।

सोनिया ने कहा, 'कोरोना वायरस संक्रमण बढ़ रहा है और ऐसे में मुख्य विपक्षी दल के तौर पर हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम मुद्दों को उठाएं और सरकार पर दबाव बनाएं कि वह जनसंपर्क की तरकीबें अपनाने की बजाय जनहित में काम करे।'

उन्होंने इस बात पर जोर दिया, 'पारदर्शिता होनी चाहिए। सरकार को कांग्रेस शासित समेत सभी राज्यों में संक्रमण और मौत के वास्तविक आंकड़े पेश करने चाहिए।'

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सोनिया ने कहा, 'हमें सबसे पहले भारत में टीकाकरण अभियान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और इसके बाद टीके का निर्यात करना और दूसरे देशों के तोहफे में देना चाहिए। हमें इस बात पर जोर देना होगा कि जिम्मेदाराना व्यवहार हो और बिना किसी अपवाद के कोविड संबंधी दिशानिर्देशों एवं सभी कानूनों का पालन किया जाए।' कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक, संघवाद का सम्मान करते हुए राज्यों के साथ सहयोग करना और विपक्ष की ओर से केंद्र सरकार के प्रयासों में सहयोग करना इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में समान रूप से महत्वपूर्ण है। इस लड़ाई में सब एकजुट हैं। उन्होंने आरोप लगाया, 'मोदी सरकार ने इस परिस्थिति में कुप्रबंधन किया। टीके का निर्यात कर दिया और देश में टीके की कमी होने दी।'

सोनिया ने कहा, 'चुनावों के लिए बड़े पैमाने पर लोगों का जमा होने और धार्मिक आयोजनों ये कोविड के मामलों में तेजी आई है। इसके लिए हम सभी कुछ हद तक जिम्मेदार हैं। हमें यह जिम्मेदारी स्वीकार करने और राष्ट्र के हित को खुद से ऊपर रखने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में कोरोना के संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है तथा इन कदमों से प्रभावित होने वाले कमजोर तबकों की मदद भी होनी चाहिए।

महाराष्ट्र को टीके की 1.10 करोड़ खुराकें मिल चुकी है, 1121 वेंटिलेटर दिए जाएंगे: जावड़ेकर

पुणे। (एजेंसी)।

टीके की किल्लत के कारण महाराष्ट्र में टीकाकरण अभियान प्रभावित होने संबंधी खबरों के बीच केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को कहा कि राज्य को अब तक कोविड-19 रोधी टीके की 1.10 करोड़ खुराकें मिल चुकी हैं। जावड़ेकर ने संवाददाताओं से कहा कि महाराष्ट्र के अलावा गुजरात और राजस्थान दो ऐसे राज्य हैं जिन्हें एक करोड़ से ज्यादा खुराकें मिली हैं। उन्होंने कहा कि महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र को अगले तीन दिनों में 1100 से ज्यादा वेंटिलेटर मुहैया कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक उत्पादन इकाइयों से ऑक्सीजन की आपूर्ति भी कराई गई है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के साथ समीक्षा बैठक के बाद जावड़ेकर ने संवाददाताओं से कहा, 'शुक्रवार शाम छह बजे तक राज्य स्तरीय रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र को टीके की 1.10 खुराकें मिल गयी हैं। देश में केवल तीन राज्यों को एक करोड़ से ज्यादा खुराकें मिली है। इनमें महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान हैं।'' टीके की उपलब्धता को लेकर केंद्र और महाराष्ट्र सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बारे में पूछे जाने पर जावड़ेकर ने कहा कि यह समय राजनीति का नहीं है। उन्होंने कहा, ''जब हमें राजनीति करनी होगी, हम इन आरोपों पर समुचित जवाब देंगे। मौजूदा हालात में लोगों के हितों से बढ़कर कुछ नहीं है।'' महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने आरोप लगाया था कि आबादी के हिसाब से महाराष्ट्र से छोटे राज्यों और संक्रमितों की कम संख्या के बावजूद दूसरे राज्यों को ज्यादा टीके दिए गए। महाराष्ट्र सरकार ने आशंका व्यक्त की है कि अगर इसी तरह संक्रमण के मामले बढ़ते रहे तो स्वास्थ्य तंत्र पर दबाव बहुत बढ़ जाएगा। राज्य के विभिन्न हिस्से से वेंटिलेटर बेड की किल्लत की भी खबरें आयी हैं। महाराष्ट्र में वेंटिलेटर कमी की बात को स्वीकार करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री जावड़ेकर ने कहा, 'मैंने संबंधित अधिकारियों और मंत्रियों के साथ विस्तृत चर्चा की है। अगले तीन-चार दिन में महाराष्ट्र को 1121 वेंटिलेटर मुहैया कराए जाएंगे। गुजरात से 700 और आंध्रप्रदेश से 421 वेंटिलेटर की आपूर्ति होगी।'' जावड़ेकर ने कहा कि महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में महामारी की स्थिति की समीक्षा के लिए 30 टीम भेजी गयी और वे मौजूदा हालात को नियंत्रित करने के लिए कदमों पर विचार कर रही है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक संक्रमितों की संख्या शुक्रवार को 32,88,540 हो गयी जबकि अब तक 57,329 लोगों की कोविड-19 से मौत हुई है। राज्य में 5,34,603 उपचाराधीन मरीज हैं। पिछले कुछ दिनों से राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के रोज 55,000 से ज्यादा मामले आ रहे हैं।

भाजपा मतुआ समुदाय के लोगों को नागरिकता नहीं दे सकती, उन्हें पहले ही मिल चुकी है: ममता

बदुरिया/हिंगलगंज/बीजपुर। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मतुआ समुदाय के सदस्यों से नागरिकता को लेकर झूठे वादे करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को दावा किया कि उन लोगों के पास पहले से ही नागरिक अधिकार हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख बनर्जी ने दावा किया कि यदि भगवा पार्टी सत्ता में आई तो वह पश्चिम बंगाल के लोगों को हिरासत शिविरों में रखेगी, जैसा कि उसने असम में 14 लाख बंगालियों के साथ किया है। बनर्जी ने उत्तर 24 परगना में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा, आपकी दीदी (खुद मुख्यमंत्री) पहले ही सरकारी या निजी जमीन पर रहने वाले मतुआ समुदाय के प्रत्येक शरणार्थी को भूमि दस्तावेज देकर लोगों को नागरिकता अधिकार प्रदान चुकी है।

पूर्वी पाकिस्तान से संबंध रखने वाला मतुआ समुदाय हिंदुओं का पिछड़ा तबका है, जिसने विभाजन और बांग्लादेश की स्थापना के बाद भारत में प्रवास किया था। राज्य में मतुआ समुदाय के लोगों की आबादी 30 लाख के करीब है, जो बांग्लादेश सीमा से लगे नदिया और उत्तर तथा दक्षिण 24 परगना जिलों में 30 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव का रुख किसी भी पार्टी के पक्ष में मोड़ सकती है। एक समय यह समुदाय टीएमसी का समर्थन करता था लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान इसने भाजपा का समर्थन किया। भाजपा का कहना है कि यदि वह सत्ता में आई तो उन्हें नागरिकता प्रदान की जाएगी। बनर्जी ने बदुरिया में कहा, यदि आपके (मतुआ) बच्चे शिक्षण संस्थानों में पढ़ते हैं। यदि आपके नाम और पते पर बिजली और टेलीफोन के कनेक्शन हैं, तो आप पहले से ही नागरिक हैं। भाजपा आपको दोबारा नागरिकता देने का वादा कैसे कर सकती है? उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने मतुआ समुदाय के आध्यात्मिक गुरु हरिचंद ठाकुर के जन्मदिन को अवकाश घोषित किया है, लेकिन भगवा पार्टी ने अपने शासन वाले राज्यों में ऐसा नहीं किया है।

टीएमसी प्रमुख ने कहा कि भाजपा पिछड़े समुदाय के वोट हासिल करने के लिये घड़ियाली आंसू बहा रही है। बीजपुर में एक अन्य रैली में उन्होंने प्रत्येक दुर्गा पूजा समितियों को दिये जाने वाले भत्तों और पुजारियों तथा इमामों के दिये जाने वाले वजीफे का जिक्र किया। बनर्जी ने कहा, हम भेदभाव नहीं करते। हम हर समुदाय का खयाल रखते हैं। भाजपा की तरह नहीं, जो केवल टकराव के बीज बोती है। बनर्जी ने भाजपा पर राज्य के लोगों को हिरासत शिविरों में रखने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा, यदि आप असम के 14 लाख बंगालियों जैसी किस्मत नहीं चाहते हैं। यदि आप नहीं चाहते कि एनपीआर (राष्ट्रीय जनसंख्या पंजी) कवायद के बाद आपके नाम मतदाता सूची से हटाए जाएं, तो भाजपा को सत्ता में आने से रोकिये। उन्होंने कहा कि टीएमसी ही भाजपा को पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने से रोक सकती है। हिंगलगंज में बनर्जी ने वादा किया कि उनकी सरकार भविष्य में सुंदरबन का परिसीमन करके नया जिला बनायेगी।

पीएम मोदी को आम आदमी से संबंधित योजनाओं पर चर्चा के लिये केजरीवाल को बुलाना चाहिए: मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एकमात्र ऐसे नेता हैं जिनके पास विकास को लेकर दूरदृष्टि है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की योजनाओं पर उनसे चर्चा करनी चाहिए। सिसोदिया ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि सभी राजनीतिक दल उन राज्यों में शासन के ''केजरीवाल मॉडल'' का पालन करने का वादा कर रहे हैं जहां चुनाव हो रहे हैं। असम में तीन चरणों में और तमिलनाडु, केरल तथा पुडुचेरी में एक चरण विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं जबकि पश्चिम बंगाल में शनिवार को कुल आठ में से चौथे चरण में मतदान हुआ है। सिसोदिया ने कहा, ''केजरीवाल एकमात्र ऐसे नेता हैं, जिनके पास देश के लिए दूरदृष्टि है। वह आम लोगों की समस्याओं और उनकी जरूरतों एवं विकास के तरीके को समझते हैं। उनमें देश को सही दिशा में ले जाने की क्षमता है। अन्य दल उनकी नीतियों का पालन कर रहे हैं। वह जो वादा करते हैं, वह करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं उम्मीद करता हूं कि प्रधानमंत्री केजरीवाल से राय लेंगे। प्रत्येक 15 दिन पर अरविंद केजरीवाल को चाय पर बुलाया जाना चाहिए ताकि इस पर चर्चा की जाए कि देश के विकास के लिए किस मॉडल को अपनाया जाना चाहिए और लोगों के लिए किन योजनाओं को लागू किया जा सकता है।''

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री सिसोदिया ने दावा किया कि विकास की विभिन्न नीतियों को विकसित करने के लिए दिल्ली एक प्रयोगशाला बन गई है। उन्होंने कहा, ''चाहे 200 यूनिट मुफ्त बिजली देना हो या महिलाओं के लिए मुफ्त बस की सवारी, सभी राजनीतिक दल इन योजनाओं का उन राज्यों में वादा कर रहे हैं जहां चुनाव हो रहे हैं।'' सिसोदिया ने कहा कि हाल ही में जब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार कर रहे थे तो उन्होंने राज्य में भाजपा के सत्ता में आने पर 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। उन्होंने कहा, केरलमें भाजपा ने महिलाओं के लिये सार्वजनिक बसों में मुफ्त यात्रा का वादा किया था। पार्टी ने तमिलनाडु मेंदिल्ली जैसा शासन मॉडल लाने की बात कही। सिसोदिया ने कहा, असम में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने मुफ्त बिजली का वादा किया। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह ने राज्य में पर्याप्त सार्वजनिक बसें नहीं होने के बावजूद सार्वजनिक बसों में महिलाओं के लिये मुफ्त यात्रा की घोषणा की थी।

पश्चिम बंगाल में चौथे चरण में 76.16 फीसदी मतदान, वोटिंग के दौरान हुई हिंसा में 4 की मौत

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में चौथे चरण में पांच जिलों के 44 विधानसभा सीटों पर शनिवार शाम पांच बजे तक 76.16 प्रतिशत मतदान हुआ। यह जानकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा 79.73 प्रतिशत मततदान कूचबिहार जिले में हुआ, जबकि हुगली जिले में 76.2 फीसदी मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि दक्षिण 24 परगना जिले में 75.49 प्रतिशत वोटिंग हुई, जबकि हावड़ा में 75.03 प्रतिशत और अलीपुरदुआर में 73.65 प्रतिशत वोट पड़े।

हावड़ा के नौ, दक्षिण 24 परगना जिले के 11, अलीपुरदुआर के पांच, कूचबिहार के नौ और हुगली जिले के दस विधानसभा क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम साढ़े छह बजे तक चुनाव हुए। सीआईओ कार्यालय की तरफ से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण में 84.13 प्रतिशत, दूसरे चरण में 86.11 फीसदी और तीसरे चरण में 84.61 प्रतिशत मतदान हुआ था। राज्य में मतगणना दो मई को होगी।

हिंसा में चार लोगों की मौत

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में शनिवार को स्थानीय लोगों द्वारा हमला किए जाने के बाद सीआईएसएफ ने कथित तौर पर गोलीबारी की जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। ऐसा आरोप है कि स्थानीय लोगों ने सीआईएसएफ जवानों की ''राइफलें छीनने की कोशिश की।'' पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना सीतलकूची इलाके में तब हुई जब मतदान चल रहा था। उन्होंने बताया, ''प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक गांव में अपने ऊपर हुए हमले के बाद सीआईएसएफ जवानों ने गोलीबारी की जिसमें चार लोग मारे गए। वहां झड़प हुई और स्थानीय लोगों ने उनका घेराव कर दिया और उनकी राइफलें छीनने की कोशिश की जिसके बाद केंद्रीय बलों ने गोलियां चलाई। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।'' टीएमसी ने दावा किया कि मारे गए चार लोग उसके समर्थक थे।

यह पूछे जाने पर कि क्या सीआईएसएफ जवानों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है, इस पर अधिकारी ने कहा, ''इसका फैसला निर्वाचन आयोग करेगा। हमारी रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने आत्म रक्षा में गोलियां चलाई।'' केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह घटना माथाभंगा मतदान केंद्र पर सुबह करीब नौ बजकर 40 मिनट पर हुई। एक सूत्र ने बताया, ''लोगों के एक समूह ने मतदाताओं को वोट डालने से रोकने के लिए पथराव शुरू कर दिया और उनकी हमारे बलों तथा वहां तैनात स्थानीय पुलिस के साथ झड़प हुई।'' सूत्रों ने बताया कि भीड़ द्वारा त्वरित कार्रवाई दल (क्यूआरटी) का वाहन क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने हवा में गोली चलाई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)